

CINEMATOGRAPH ACT 1952

It is a law that governs the certification of cinematograph films for display and the regulation of cinematograph exhibits.

यह एक ऐसा कानून है जो प्रदर्शन के लिए चलचित्रों के प्रमाणन और चलचित्र प्रदर्शनों के विनियमन को नियंत्रित करता है।

SECTION 3, CINEMATOGRAPH ACT

CENTRAL BOARD OF FILM CERTIFICATION



-  It is a statutory film-certification body in the Ministry of Information and Broadcasting of the Government of India. यह भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक वैधानिक फिल्म-प्रमाणन निकाय है।
-  It regulates the public exhibition of films under the provisions of the Cinematograph Act 1952. यह चलचित्र अधिनियम 1952 के प्रावधानों के तहत फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन को विनियमित करता है।
-  Section 3 of the Act provides for the establishment of Central Board of Film Certification अधिनियम की धारा 3 केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की स्थापना का प्रावधान करती है।
-  Shashi Shekhar Vempati is the Chairperson of the Central Board of Film Certification (CBFC). He was appointed to a three-year term by the Ministry of Information and Broadcasting, succeeding Prasoon Joshi, who stepped down to become the Chairman of Prasar Bharati. शशि शेखर वेंपटी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) के अध्यक्ष हैं। उन्हें सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया है। वे प्रसून जोशी का स्थान लेते हुए आए हैं, जिन्होंने प्रसार भारती के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला है।
-  "For the purpose of sanctioning films for public exhibition, the Central Government may, by notification in the Official Gazette, constitute a Board to be called the 7 [Board of Film Certification] which shall consist of a Chairman and not less than twelve and not more than twenty-five other members appointed by the Central Government." "सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों को स्वीकृति देने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार, केंद्र सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा एक बोर्ड गठित कर सकती है जिसे 7 [फिल्म प्रमाणन बोर्ड] कहा जाएगा जिसमें एक अध्यक्ष और बारह से कम बारह और अधिकतम पच्चीस अन्य सदस्य होंगे जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा।"

SECTION 5(B) OF THE ACT

A film will not be certified if any component of it is :

यदि फिल्म का कोई भी भाग निम्नलिखित में से किसी के अंतर्गत आता है तो उसे प्रमाणित नहीं किया जाएगा :



Against India's sovereignty and integrity, as well as the security of the country and good relations with other countries.

भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा तथा अन्य देशों के साथ सद्भावपूर्ण संबंधों के विरुद्ध।



Against the law, against decency कानून के विरुद्ध, अश्लीलता के विरुद्ध।



It involves defamation or contempt of court, and it's likely to inspire someone to commit a crime.

मानहानी या न्यायालय की अवमानना से संबंधित हो, और यह किसी को अपराध करने के लिए प्रेरित करने की संभावना रखता हो।



The Act ensures responsible filmmaking and protects national interests, public morality and the legal framework.

यह अधिनियम जिम्मेदार फिल्म निर्माण को सुनिश्चित करता है और राष्ट्रीय हितों, सार्वजनिक नैतिकता तथा विधिक ढांचे की रक्षा करता है।

CBFC
CERTIFIED



Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.



Section 5 (a)

Film Certification 1952 Act



1. **U – unrestricted**

1. U – बिना किसी प्रतिबंध के



2. **UA – unrestricted but with a parental discretion advisory for children under 12 years**

2. UA – बिना किसी प्रतिबंध के, लेकिन 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अभिभावकीय विवेक सलाह के साथ



3. **A – adult**

3. A – वयस्क



4. **S – only for a special class of persons**

4. S – केवल विशेष वर्ग के व्यक्तियों के लिए



Cinematograph (Amendment) Bill, 2023

Age Ratings



Age Ratings: The amendment bill introduces a new age rating system for films that require adult supervision. The current U/A rating, which covers a broad age range, will be split into three distinct categories:



1. **U/A 7+:**

Films suitable for children above the age of 7 with parental guidance.

1. **U/A 7+:**

7 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए उपयुक्त फिल्मों, अभिभावकीय मार्गदर्शन के साथ।



2. **U/A 13+:**

Films suitable for children above the age of 13 with parental guidance.

2. **U/A 13+:**

13 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए उपयुक्त फिल्मों, अभिभावकीय मार्गदर्शन के साथ।



3. **U/A 16+:**

Films suitable for children above the age of 16 with parental guidance.

3. **U/A 16+:**

16 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए उपयुक्त फिल्मों, अभिभावकीय मार्गदर्शन के साथ।



JRF Media Academy by Rohit



Cinematograph (Amendment) Bill, 2023

सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023

Anti-Piracy Provisions

एंटी-पायरेसी प्रावधान



The bill is designed to discourage film piracy by enforcing severe penalties on those engaged in unauthorized audiovisual recording and distribution of copyrighted material. यह विधेयक अनधिकृत ऑडियोविजुअल रिकॉर्डिंग और कॉपीराइट सामग्री के वितरण में शामिल लोगों पर कठोर दंड लगाकर फिल्म पायरेसी को हतोत्साहित करने के लिए बनाया गया है।

1

Imprisonment:
Ranging from 2 months to 3 years.

कारावास: 2 महीने से लेकर 3 वर्ष तक।



2

Fines:
Between Rs. 3 lakhs and 5% of the audited gross production cost.

जुर्माना: 3 लाख रुपये और ऑडिटेड ग्रॉस प्रोडक्शन लागत का 5% के बीच।



3

Broadcasting Copyright Protection: The bill aims to expand the scope of the Cinematograph Act, 1952, which initially concentrated on censorship, to include copyright safeguarding.

प्रसारण कॉपीराइट संरक्षण: यह विधेयक सेंसरशिप पर केंद्रित मूल अधिनियम को विस्तारित कर कॉपीराइट सुरक्षा को शामिल करने का लक्ष्य रखता है।



JRF Media Academy by Rohit

CINEMATOGRAPH (AMENDMENT) BILL, 2023

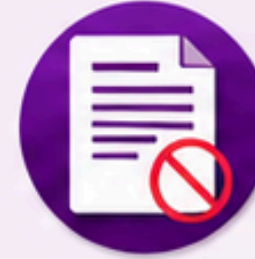
सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023



GOVERNMENT'S LIMITED POWERS OVER CBFC

CBFC पर सरकार की सीमित शक्तियाँ

- 1 It emphasizes the **autonomy** of the Central Board of Film Certification (CBFC).
यह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) की स्वायत्तता पर जोर देता है।
- 2 The Act **empowered the central government** to examine and make orders in relation to films that have been certified or are pending certification. The Board was required to dispose matters in conformance to the order.
अधिनियम ने केंद्रीय सरकार को प्रमाणित या लंबित प्रमाणन वाली फिल्मों के संबंध में जांच करने और आदेश देने का अधिकार दिया। बोर्ड को आदेश के अनुरूप मामलों का निपटान करना होता था।



- 3 The Bill **removes this power** of the central government.
यह विधेयक केंद्रीय सरकार की इस शक्ति को समाप्त करता है।



- 4 The Government will **no longer have revisional powers** over the CBFC's decisions.
सरकार के पास अब CBFC के निर्णयों पर पुनरीक्षण शक्तियाँ नहीं होंगी।



SEPARATE CERTIFICATE FOR TELEVISION/OTHER MEDIA

टेलीविजन/अन्य मीडिया के लिए अलग प्रमाणपत्र

Films with an 'A' or 'S' certificate will require a separate certificate for exhibition on television, or any other media prescribed by the central government. The Board may direct the applicant to carry appropriate deletions or modifications for the separate certificate.

'A' या 'S' प्रमाणपत्र वाली फिल्मों को टेलीविजन या केंद्रीय सरकार द्वारा निर्दिष्ट किसी अन्य मीडिया पर प्रदर्शन के लिए अलग प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी। बोर्ड आवेदक को अलग प्रमाणपत्र के लिए उचित कटौती या संशोधन करने का निर्देश दे सकता है।



CERTIFICATES TO BE PERPETUALLY VALID

प्रमाणपत्र स्थायी रूप से मान्य होंगे

Under the Act, the certificate issued by the Board was valid for 10 years. The Bill provides that the certificates will be perpetually valid.

अधिनियम के तहत, बोर्ड द्वारा जारी प्रमाणपत्र 10 वर्षों के लिए मान्य था। विधेयक में प्रावधान है कि प्रमाणपत्र स्थायी रूप से मान्य होंगे।



INDIAN FILM CERTIFICATION JOURNEY

भारतीय फ़िल्म प्रमाणन यात्रा

1913



Raja Harishchandra

The first full-length Indian feature film 1913 Indian silent film directed and produced by Dadasaheb Phalke

पहली पूर्ण-लंबाई भारतीय फ़ीचर फ़िल्म 1913 की भारतीय मूक फ़िल्म, जिसका निर्देशन और निर्माण दादासाहेब फाल्के ने किया था।



1920

Indian Cinematograph Act



- It established Censor Boards in a few towns. The city's police chiefs were in charge of these independent boards.
- After the 1947 Independence of India, autonomous regional censors were allocated

- इसने कुछ शहरों में सेंसर बोर्ड स्थापित किए। इन स्वतंत्र बोर्डों की जिम्मेदारी शहर के पुलिस प्रमुखों के पास थी।
- 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, स्वायत्त क्षेत्रीय सेंसर नियुक्त किए गए।

1952

The Cinematograph Act of 1952



A law that governs the certification of cinematograph films for display and the regulation of cinematograph exhibits.

एक कानून जो फिल्मों के प्रदर्शन के लिए प्रमाणन और सिनेमेटोग्राफ प्रदर्शनों के विनियमन को नियंत्रित करता है।



Central Board of Film Certification

1969

Khosla Committee



The committee's key recommendation was that the government and other entities should not interfere with the Film Censor Board's ability to carry out its duties.

समिति की प्रमुख सिफारिश यह थी कि सरकार और अन्य संस्थाओं को फ़िल्म सेंसर बोर्ड के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

1983

Name Changed

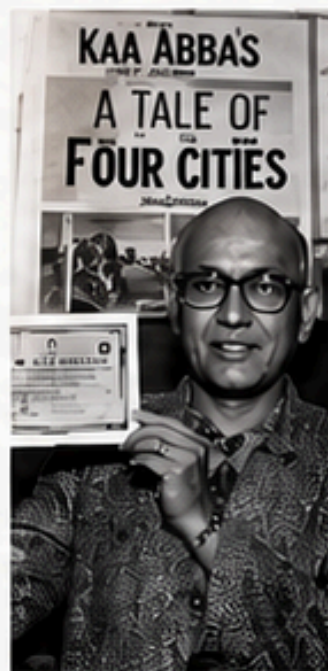
Central Board of Film Censors was renamed the Central Board of Film Certification

सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सेंसर को फिर सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सर्टिफिकेशन नाम दिया गया।



1970

K.A. Abbas v. Union of India



- K.A. Abbas was an Indian filmmaker.
- His documentary, A Tale of Four Cities, was awarded an A certificate by the Censor Board because it included scenes of prostitution in a Bombay red-light district.
- In the case, the Supreme Court evaluated the practice of pre-censorship of a cinematograph in consonance with the fundamental right to freedom of speech and expression.
- The court observed that the censorship of films is a constitutionally valid practice on the grounds mentioned in Article 19(2) of the Constitution.
- के.ए. अब्बास एक भारतीय फ़िल्मकार थे।
- उनकी डॉक्यूमेंट्री 'A Tale of Four Cities' को बॉम्बे के रेड-लाइट क्षेत्र में वेश्यावृत्ति के दृश्यों के कारण सेंसर बोर्ड द्वारा 'A' प्रमाणपत्र दिया गया था।
- इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के साथ सामंजस्य में पूर्व-सेंसरशिप की प्रथा का मूल्यांकन किया।
- अदालत ने कहा कि फ़िल्मों की सेंसरशिप संविधान के अनुच्छेद 19(2) में उल्लेखित आधारों पर संवैधानिक रूप से वैध प्रथा है।

2023

The Cinematograph Amendment Bill 2023



- The Cinematograph Amendment Bill 2023 was introduced in the Lok Sabha.
- It aims to simplify the certification process, promote ease of doing business, and curb film piracy.
- It introduces age-based categorization and strict anti-piracy provisions.
- सिनेमेटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।
- इसका उद्देश्य प्रमाणन प्रक्रिया को सरल बनाना, व्यवसाय को सुगम बनाना और फ़िल्म पाइरेसी पर रोक लगाना है।
- यह आयु-आधारित वर्गीकरण और कठोर एंटी-पायरेसी प्रावधान लाता है।



JRF Media Academy by Rohit



INCORRECT STATEMENTS UNDER CINEMATOGRAPHY (AMENDMENT) ACT

?

Which one of the following is incorrect in the context of cinematography (Amendment) Act

1



Not for exam certifying the real names of all **online piracy media portals/sites**

ऑनलाइन पाइरेसी मीडिया पोर्टल/साइट्स के सभी वास्तविक नामों को प्रमाणित करना परीक्षा के लिए नहीं है।



2



Government has done away with the requirement to **renew 'film' certificate every 10 years**

सरकार ने हर 10 वर्ष में 'फिल्म' प्रमाण पत्र को नवीनीकृत करने की आवश्यकता समाप्त कर दी है।



3



Strict punishment of **minimum 6-month imprisonment** and fine of **Rs 1 Lakh**, which can be extended **up to 2 years imprisonment** and **5 lakhs of fine**

न्यूनतम 6 माह की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्माने का कठोर दंड, जिसे 2 वर्ष तक की कैद और 5 लाख रुपये जुर्माने तक बढ़ाया जा सकता है।



4



Registration is required for the **aired film** to **Television broadcast**

प्रसारित फिल्म के टेलीविजन प्रसारण के लिए पंजीकरण आवश्यक है।



JRF Media Academy by Rohit



POP
CORN

COPYRIGHT ACT 1957

कॉपीराइट अधिनियम, 1957



- In the opinion of experts, copyright grants the “owner/exclusive rights to his/her work for a specific period of time.

विशेषज्ञों के अनुसार, कॉपीराइट किसी कार्य के स्वामी/विशेष अधिकार को उसे एक निश्चित अवधि के लिए प्रदान करता है।

- Art and literary works including prints, films and sound recordings are protected under the law of copyright.

कॉपीराइट के कानून के तहत कला और साहित्यिक कार्य जिनमें प्रिंट्स, फिल्मों और ध्वनि रिकॉर्डिंग शामिल हैं, संरक्षित होते हैं।



- Fair use of works for the purposes of criticism, review, news reporting, teaching, research or private study is allowed under this Act.

इस अधिनियम के तहत आलोचना, समीक्षा, समाचार रिपोर्टिंग, शिक्षण, अनुसंधान या निजी अध्ययन के उद्देश्य से कार्यों का उचित उपयोग करने की अनुमति है।





COPYRIGHT ACT 1957

कॉपिराइट अधिनियम, 1957



1 Copyright exist in expression of ideas and not mere idea

कॉपिराइट विचारों की अभिव्यक्ति में होता है, सिर्फ विचार में नहीं



- The copyright exists only in expression of idea in some material form; i.e. book, film, photograph or musical tone.
- Mere idea unless expressed is not capable of claiming any copyright.

- कॉपिराइट केवल किसी सामग्री के रूप में विचार की अभिव्यक्ति (जैसे किताब, फिल्म, फोटोग्राफ या संगीत) में होता है।
- केवल विचार, जब तक अभिव्यक्ति न हो, कॉपिराइट का दावा नहीं कर सकता।

2 The work must be original कृति का मूल (मौलिक) होना आवश्यक है



- The first and essential requirement for claiming the copyright is the originality of the work.
- There cannot be claim of copyright in a copy of any other's work or in a similar work.

- कॉपिराइट का पहला और आवश्यक तत्व कृति की मौलिकता है।
- किसी अन्य की कृति की नकल या समान कृति पर कॉपिराइट का दावा नहीं किया जा सकता।

3 Bundle of Rights अधिकारों का समूह



Copyright is not a single right, rather it is a bundle of right in the same work. It comprises of, in case of literary work, right to reproduction, right to translation, right to adaptation, right to dramatic and cinematographic version, right to public performance and right to serial publication

कॉपिराइट एकल अधिकार नहीं बल्कि एक ही कृति में अधिकारों का समूह होता है, जैसे - पुनरुत्पादन, अनुवाद, रूपांतरण, नाटकीय और सिनेमेटोग्राफिक रूप, सार्वजनिक प्रदर्शन और धारावाहिक प्रकाशन का अधिकार।

4 Creation of Statute विधि द्वारा प्रदत्त संरक्षण



The copyright is granted and protected according to copyright Act. There is no common law right

कॉपिराइट अधिनियम के अनुसार प्रदान और संरक्षित किया जाता है। कॉपिराइट का कोई कॉमन लॉ अधिकार नहीं होता।

5 Transferable हस्तांतरणीय



A Copyright owner holds the exclusive right to transfer their Copyright to any individual or third party

कॉपिराइट धारक को अपने कॉपिराइट को किसी भी व्यक्ति या तीसरे पक्ष को हस्तांतरित करने का विशेष अधिकार प्राप्त होता है।

6 Duration of the right अधिकार की अवधि



In India, copyright protection typically lasts for the author's lifetime plus 60 years from the year following the author's death. For anonymous works, pseudonymous works, and works of joint authorship the duration is 60 years from the year of publication. If there are multiple authors, the term is 60 years post the death of the last author.

भारत में, कॉपिराइट संरक्षण लेखक के जीवनकाल + 60 वर्ष तक (लेखक की मृत्यु के अगले वर्ष से) रहता है। गुमनाम, छयनाम या संयुक्त लेखकों की कृतियों के लिए यह अवधि प्रकाशन वर्ष से 60 वर्ष तथा अनेक लेखकों की स्थिति में अंतिम लेखक की मृत्यु के अगले वर्ष से 60 वर्ष होती है।



7 It covers a variety of categories, including literary, dramatic, musical, artistic works, and software.

यह साहित्यिक, नाटकीय, संगीतात्मक, कलात्मक कृतियों और सॉफ्टवेयर जैसी विभिन्न श्रेणियों को कवर करता है।



8 This is particularly significant in the media industry, where content (such as films, music, television shows, and books) is easily replicated and distributed.

यह मीडिया उद्योग में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ सामग्री (जैसे फिल्में, संगीत, टीवी शो और किताबें) को आसानी से नकल कर वितरित किया जाता है।





COPYRIGHT ACT, 1957

कॉपीराइट अधिनियम, 1957



- Copyright is a form of intellectual property law that grants the creator of an original literary and artistic work exclusive rights to its use and distribution, usually for a limited time, with the intent to enable the creator to receive compensation for their intellectual investment.
- कॉपीराइट बौद्धिक संपदा कानून का एक रूप है जो मूल साहित्यिक और कलात्मक कृति के रचनाकार को इसके उपयोग और वितरण के विशेष अधिकार देता है, आमतौर पर सीमित अवधि के लिए, ताकि रचनाकार को उनकी बौद्धिक निवेश के लिए उचित प्रतिफल मिल सके।



- It covers a variety of categories, including literary, dramatic, musical, artistic works, and software.
- This is particularly significant in the media industry, where content (such as films, music, television shows, and books) is easily replicated and distributed.
- यह साहित्यिक, नाटकीय, संगीतात्मक, कलात्मक कृतियों और सॉफ्टवेयर जैसी विभिन्न श्रेणियों को कवर करता है।
- यह मीडिया उद्योग में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ सामग्री (जैसे फिल्में, संगीत, टीवी शो और किताबें) को आसानी से नकल कर वितरित किया जाता है।



A person should receive the necessary protection and recognition for their creativity, ingenuity, and intellectual contributions.

एक व्यक्ति को उनकी रचनात्मकता, नवीनता और बौद्धिक योगदानों के लिए आवश्यक संरक्षण और पहचान मिलनी चाहिए।



- The copyright is essentially a negative right that prohibits the copying of an original work of various types which has been recognized under section 13 of The Copyright Act, 1957.
- The registration of copyright is not necessary to enforce IP Rights and it naturally vests with the author of the original work.
- कॉपीराइट मूलतः एक नकारात्मक अधिकार है जो विभिन्न प्रकार की मूल कृतियों की नकल करने पर रोक लगाता है, जिन्हें कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 13 के तहत मान्यता प्राप्त है।
- कॉपीराइट का पंजीकरण IP अधिकारों को लागू करने के लिए आवश्यक नहीं है और यह स्वाभाविक रूप से मूल कृति के लेखक के पास निहित होता है।



Section 14 Grants the copyright owner a set of exclusive rights such as **adapting, reproducing, publishing, translating, and communicating** the work to the public.

धारा 14 कॉपीराइट स्वामी को अनन्य अधिकारों का एक सेट प्रदान करती है जैसे कि रूपांतरण, पुनरुत्पादन, प्रकाशन, अनुवाद और कृति को जनता तक संप्रेषित करना।

1

Copyright exist in expression of ideas and not mere idea



कॉपीराइट विचारों की अभिव्यक्ति में होता है, सिर्फ विचार में नहीं।

2



The work must be original
कृति का मूल (मौलिक) होना आवश्यक है।

3



Bundle of Rights
अधिकारों का समूह

FEATURES OF COPYRIGHT
कॉपीराइट की विशेषताएँ

4



Creation of Statute
विधि द्वारा प्रदत्त संरक्षण

5



Transferable
हस्तांतरणीय

6



Duration of the right
अधिकार की अवधि





Intellectual property

बौद्धिक संपदा

Intellectual property means the things which emanate from the exercise of the human brain.
It is the product emerging out of the intellectual labour of a human being.

बौद्धिक संपदा उन चीजों को कहा जाता है जो मानव मस्तिष्क के प्रयोग से उत्पन्न होती हैं।
यह मानव के बौद्धिक श्रम का उत्पाद है।



Patent, Trademarks, Industrial Designs, Geographical Indications, Copyrights



पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक संकेत, कॉपीराइट्स

Intellectual property is the creation of the brain
बौद्धिक संपदा मस्तिष्क की रचना है

1. Industrial property: औद्योगिक संपदा

It is related to industry and commerce which includes patents for inventions, registered trademarks, industrial designs and geographical indications, semiconductor integrated circuits layout designs, new plant varieties protection.

यह उद्योग और वाणिज्य से संबंधित है जिसमें आविष्कारों के लिए पेटेंट, पंजीकृत ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेत, सेमिकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट लेआउट डिजाइन, नए पौधों की किस्मों का संरक्षण शामिल हैं।



2. Literary property: साहित्यिक संपदा

It is related to the text, information and entertainment fields which includes literary works (such as novels, poems and works), films, music, artistic works (drawings, painting, photographs and sculptures), computer programs and architectural design.

यह पाठ, सूचना और मनोरंजन क्षेत्रों से संबंधित है जिसमें साहित्यिक कृतियाँ (जैसे उपन्यास, कविताएँ और रचनाएँ), फिल्में, संगीत, कलात्मक कृतियाँ (चित्र, पेंटिंग, फोटोग्राफ और मूर्तिकला), कंप्यूटर प्रोग्राम और वास्तुशिल्प डिजाइन शामिल हैं।



Patents
पेटेंट



Trademarks
ट्रेडमार्क



Industrial Designs
औद्योगिक डिजाइन



Geographical
Indications
भौगोलिक संकेत



Literary Works
साहित्यिक कृतियाँ



Films
फिल्में



Music
संगीत



Artistic Works
कलात्मक कृतियाँ



Computer Programs
कंप्यूटर प्रोग्राम



Architectural Design
वास्तुशिल्प डिजाइन

INDUSTRIAL PROPERTY

औद्योगिक संपदा



1 Inventions (Patent)
आविष्कार (पेटेंट)



2 Trademark (Goods and Services)
ट्रेडमार्क (वस्तु और सेवाएं)



3 Industrial Designs
औद्योगिक डिजाइन



4 Trade secrets
व्यापार रहस्य



5 Geographical Indications
भौगोलिक संकेत



COPYRIGHT & NEIGHBORING RIGHTS

कॉपीराइट एवं संबंधित अधिकार



Writings
लेखन



Musical works
संगीत कृतियाँ



Dramatic works
नाट्य कृतियाँ



Audiovisual works
श्रव्य-दृश्य कृतियाँ



Paintings and drawings
चित्रकला और रेखाचित्र



Sculptures
मूर्तिकला



Photographic works
फोटोग्राफिक कृतियाँ



Architectural works
वास्तुकला कृतियाँ



Sound recordings
ध्वनि रिकॉर्डिंग



Performance of musicians,
actors & singers
संगीतकारों, अभिनेताओं
और गायकों का प्रदर्शन



Broadcasts
प्रसारण

SEC 13 OF COPYRIGHT ACT 1957

कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 13

Section 13 of the Copyright Act of 1957 states that copyright protection exists for the following types of works:
कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 13 कहती है कि निम्नलिखित प्रकार के कार्यों के लिए कॉपीराइट संरक्षण उपलब्ध है:

1

Original literary works

मौलिक साहित्यिक कृतियों



2

Original dramatic works

मौलिक नाटकीय कृतियों



3

Original musical works

मौलिक संगीत कृतियों



4

Original artistic works

मौलिक कलात्मक कृतियों



5

Original cinematographic works

मौलिक चलचित्र कृतियों



6

Sound recordings

ध्वनि रिकॉर्डिंग



Original literary works - The term literary is not confined to the works of literature. It includes computer programmes, tables and compilations including computer databases.

मौलिक साहित्यिक कृतियों - साहित्य शब्द केवल साहित्यिक रचनाओं तक सीमित नहीं है। इसमें कंप्यूटर प्रोग्राम, तालिकाएँ और संकलन शामिल हैं, जिनमें कंप्यूटर डेटाबेस भी शामिल हैं।





DURATION OF COPYRIGHT

Copyright Act, 1957
Legal Environment of Business

कॉपीराइट की अवधि



The general rule is that copyright lasts for 60 years.
It is counted



FROM THE DEATH OF THE AUTHOR लेखक की मृत्यु से



LITERARY
साहित्यिक



DRAMATIC
नाटकीय



MUSICAL
संगीतात्मक



ARTISTIC WORK
कलात्मक कृतियों

60 YEARS

from the death
of the author

लेखक की मृत्यु से
60 वर्ष तक

FROM THE DATE OF PUBLICATION प्रकाशन की तिथि से



CINEMATOGRAPH FILMS
चलचित्र फिल्में



SOUND RECORDINGS
ध्वनि रिकॉर्डिंग



PHOTOGRAPHS
फोटोग्राफ



POSTHUMOUS PUBLICATION
मरणोपरांत प्रकाशन



WORKS OF GOVERNMENT &
INTERNATIONAL ORGANIZATIONS
प्रकाशनी एवं अंतरराष्ट्रीय संगठन की कृतियों

60 YEARS

from the date
of publication

प्रकाशन की तिथि
से 60 वर्ष तक

1. Literary, Dramatic, Musical, and Artistic Works:

- Duration: Lifetime of the author + sixty years, calculated from the beginning of the calendar year following the year in which the author dies.

साहित्यिक, नाटकीय, संगीतात्मक और कलात्मक कृतियों:

- अवधि: लेखक के जीवनकाल + साठ वर्ष, जो लेखक की मृत्यु के अगले वर्ष की शुरुआत से गणना की जाती है।

2. Anonymous and Pseudonymous Works, Cinematograph Films, Sound Recordings, Government Works, Works of Public Undertakings, Works of International Agencies, and Photographs:

- Duration: Sixty years from the beginning of the calendar year following the year in which the work is first published.

अनाम और उपनामित कृतियों, चलचित्र फिल्में, ध्वनि रिकॉर्डिंग, सरकारी कृतियों, लोक उपक्रमों की कृतियों, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की कृतियों और फोटोग्राफ:

- अवधि: जिस वर्ष में कृति पहली बार प्रकाशित होती है, उस वर्ष के अगले वर्ष की शुरुआत से साठ वर्ष।

WORK कृति	LIFE अवधि	WORK कृति	LIFE अवधि
 Original literary, dramatic, musical and artistic मौलिक साहित्यिक, नाटकीय, संगीतात्मक और कलात्मक	60-year from the death of author. Co-authors- death of last author. लेखक की मृत्यु से 60 वर्ष तक। सह-लेखकों के लिए – अंतिम लेखक की मृत्यु से।	 Photographs फोटोग्राफ	60 years from date of publication प्रकाशन की तिथि से 60 वर्ष तक।
 Posthumous Work मरणोपरांत कृति	60 years from the date of death of author लेखक की मृत्यु की तिथि से 60 वर्ष तक।	 Work of Government, Public undertaking and International Organisation सरकारी, लोक उपक्रम और अंतरराष्ट्रीय संगठन की कृतियों	60 years from the year next to the year of publication प्रकाशन के अगले वर्ष से 60 वर्ष तक।
 Anonymous and pseudonymous publications अनाम और उपनामित प्रकाशन	60 years from beginning of the calendar year following the year of publication. प्रकाशन के वर्ष के अगले वर्ष की शुरुआत से 60 वर्ष तक।	 Cinematographic film चलचित्र फिल्म	60 year from the post calendar year of the release of the Film फिल्म की रिलीज़ के पोस्ट कैलेंडर वर्ष से 60 वर्ष तक।

REMEDIES IN COPYRIGHT ACT 1957

कॉपीराइट अधिनियम 1957 में उपचार



Criminal Remedies आपराधिक उपचार



Imprisonment up to 3 years but, not less than 6 months
3 वर्ष तक का कारावास, परंतु 6 महीने से कम नहीं



Fine which may not be less than 50,000 but,
may extend up to 2,00,000
जुर्माना जो ₹50,000 से कम नहीं, परंतु ₹2,00,000 तक हो सकता है



Search and seizure of infringing goods
उल्लंघनकारी वस्तुओं की खोज और जब्ती



Delivery of infringing goods to the copyright owner
उल्लंघनकारी वस्तुओं को कॉपीराइट मालिक को सौंपना



DOCTRINE OF FAIR DEALING UNDER COPYRIGHT LAW

कॉपीराइट कानून के तहत उचित व्यवहार का सिद्धांत



- Fair dealing is a copyright law exception that allows limited use of copyrighted material without the copyright holder's permission.

उचित व्यवहार कॉपीराइट कानून में एक अपवाद है, जो कॉपीराइट धारक की अनुमति के बिना कॉपीराइट सामग्री के सीमित उपयोग की अनुमति देता है।



- Section 52 of the Copyrights Act, 1957 provides for certain exceptions to infringement of copyright and the said provision allows limited use of copyrighted works without the permission of the copyright holder.
कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 52, कॉपीराइट उल्लंघन के कुछ अपवाद प्रदान करती है और यह प्रावधान कॉपीराइट धारक की अनुमति के बिना कॉपीराइट कृतियों के सीमित उपयोग की अनुमति देता है।



- This includes activities such as research, private study, criticism, review, and reporting current events, striking a balance between protecting intellectual property and fostering the free exchange of ideas.
इसमें अनुसंधान, निजी अध्ययन, आलोचना, समीक्षा और समसामयिक घटनाओं की रिपोर्टिंग जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं, जो बौद्धिक संपदा की रक्षा और विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के बीच संतुलन बनाती हैं।

CONVENTIONS OF COPYRIGHT

♦ कॉपीराइट के सम्मेलन ♦

1886

The Berne Convention for the Protection of Literary and Artistic Works

साहित्यिक और कलात्मक कृतियों के संरक्षण के लिए बर्न सम्मेलन



- The convention was established in 1886 by 10 European countries in Bern, Switzerland. यह सम्मेलन 1886 में स्विट्जरलैंड के बर्न में 10 यूरोपीय देशों द्वारा स्थापित किया गया था।
- It is the oldest international copyright treaty and offers a high level of protection for authors. यह सबसे पुराना अंतर्राष्ट्रीय कॉपीराइट संधि है और लेखकों को उच्च स्तर का संरक्षण प्रदान करता है।
- The treaty provides authors, musicians, poets, painters, and other creators with the means to control how their works are used, by whom, and on what terms. यह संधि लेखकों, संगीतकारों, कवियों, चित्रकारों और अन्य रचनाकारों को यह अधिकार देती है कि उनकी कृतियों का उपयोग कौन, किस प्रकार और किन शर्तों पर करे।
- Automatic Protection: Copyright protection does not require formal registration स्वतः संरक्षण: कॉपीराइट संरक्षण के लिए औपचारिक पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होती।

1952

Universal Copyright Convention, UNESCO

यूनिवर्सल कॉपीराइट सम्मेलन, यूनेस्को



- This convention was established in 1952 as an alternative to the Berne Convention, primarily to accommodate countries that did not join the Berne Convention.

यह सम्मेलन 1952 में बर्न सम्मेलन के विकल्प के रूप में स्थापित किया गया था, मुख्यतः उन देशों के लिए जिन्होंने बर्न सम्मेलन में शामिल नहीं हुए थे।



1961

Rome Convention

रोम सम्मेलन



- It was adopted in 1961 to protect the rights of performers, producers of phonograms, and broadcasting organizations.

इसे 1961 में कलाकारों, ध्वनि-मुद्रिका निर्माताओं और प्रसारण संगठनों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनाया गया।

• Protection of Performers:

Grants performers the right to prevent unauthorized recording, reproduction, and broadcasting of their live performances.

कलाकारों को उनके लाइव प्रदर्शन की अनाधिकृत रिकॉर्डिंग, पुनरुत्पादन और प्रसारण को रोकने का अधिकार प्रदान करता है।



TRIPS Agreement on Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights (TRIPS)

व्यापार-संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकारों के पहलुओं पर समझौता (TRIPS)



- It was part of the World Trade Organization agreements which were concluded in 1994, it sets down minimum standards for many forms of intellectual property regulation as applied to nationals of other WTO Members. यह 1994 में संपन्न विश्व व्यापार संगठन (WTO) समझौतों का हिस्सा था, जो अन्य WTO सदस्यों के नागरिकों पर लागू कई प्रकार के बौद्धिक संपदा विनियमों के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित करता है।
- In 1999, India harmonized with TRIPS Agreement. 1999 में भारत ने TRIPS समझौते के साथ सामंजस्य स्थापित किया।





Q. COPYRIGHT EXTENDS TO

कॉपीराइट इन पर लागू होता है



(a)	Published works	प्रकाशित कृतियाँ	
(b)	Unpublished works	अप्रकाशित कृतियाँ	
(c)	Parliamentary reports in newspapers	समाचार पत्रों में संसदीय रिपोर्ट	
(d)	Academic writings for public use	सार्वजनिक उपयोग के लिए शैक्षणिक लेखन	
(e)	Research papers in public domain	सार्वजनिक डोमेन में शोध पत्र	
(f)	Creative art work	रचनात्मक कला कृति	

? Choose the correct answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(1) (a), (b) and (f)



(2) (b), (c) and (e)

(3) (c), (d) and (e)

(4) (d), (e) and (f)

Q. BY ITS NATURE, COPYRIGHT IS:

अपने स्वभाव से, कॉपीराइट है:



(A) Decentralised
विकेंद्रीकृत



(B) Corporate
कॉर्पोरेट



(C) Monopolistic
एकाधिकारवादी



(D) Inclusive
समावेशी

1. COPYRIGHT DOES NOT SUBSIST IN

कॉपीराइट निम्न में नहीं होता



A



Reproductions
प्रतिकृतियाँ



B



Music
संगीत

C



Original works
मौलिक कृतियाँ

D



Sound recordings
ध्वनि रिकार्डिंग्स

2. THE COPYRIGHT BOARD IN INDIA HAS CERTAIN POWERS OF

भारत में कॉपीराइट बोर्ड की कुछ शक्तियाँ होती हैं



A



The legislature
विधायिका

B



Criminal procedure
आपराधिक प्रक्रिया

C



Civil courts
सिविल न्यायालय



D



The executive
कार्यपालिका



DEFAMATION

Defamation is an injury to the reputation of a person resulting from a statement which is false.

मानहानि किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाने वाली असत्य कथन से हुई चोट है।



Defamation is a both Criminal and Civil offence in India
भारत में मानहानि एक आपराधिक और दीवानी दोनों प्रकार का अपराध है।



FALSE



SLANDER (मौखिक मानहानि)

Defamatory statement that is oral.
मानहानिकारक कथन जो मौखिक रूप से किया जाए।

LIBEL (लिखित मानहानि)

Defamatory statement that is made in writing.
मानहानिकारक कथन जो लिखित रूप में किया जाए।



ESSENTIALS OF DEFAMATION मानहानि के आवश्यक तत्व



1

The statement must be false and defamatory.
कथन असत्य और मानहानिकारक होना चाहिए।



2

The statement must refer to the plaintiff.
कथन वादी (शिकायतकर्ता) के संदर्भ में होना चाहिए।



3

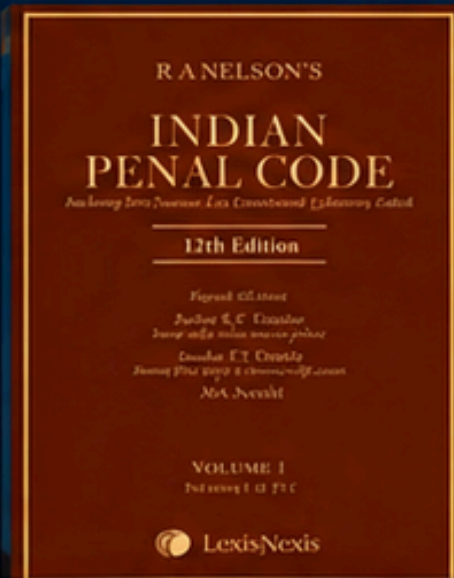
The statement must be published.
कथन प्रकाशित किया गया होना चाहिए।



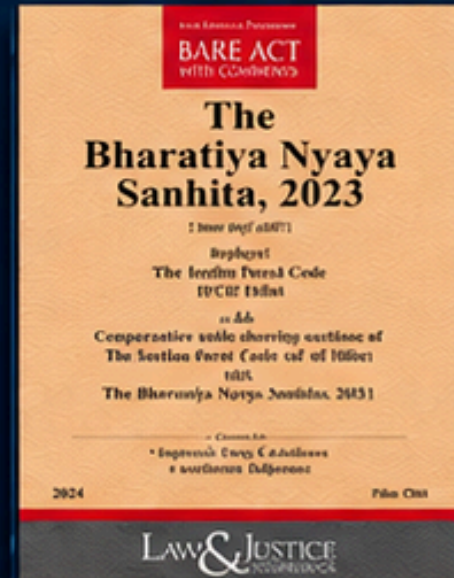
“ Every man is entitled to have his reputation preserved inviolate.
Defamation is injury to the reputation of a person.”
Jurist Blackstone ”

CRIMINAL DEFAMATION IN INDIA

आपराधिक मानहानि



SECTION 499-502
IPC (भारतीय दंड संहिता)



SECTION 356
BNS (भारतीय न्याय संहिता)



To transform the criminal justice delivery landscape of India, the Bharatiya Nyaya Sanhita Bill 2023 was proposed which consists of 358 sections whereas the IPC 1860 consists of 511 sections.

भारत की आपराधिक न्याय व्यवस्था को बदलने के लिए भारतीय न्याय संहिता बिल 2023 प्रस्तावित किया गया, जिसमें 358 धाराएँ हैं जबकि IPC 1860 में 511 धाराएँ हैं।



CIVIL DEFAMATION

दीवानी मानहानि



Civil defamation primarily seeks to compensate the victim for the harm caused to their reputation.

दीवानी मानहानि का उद्देश्य मुख्यतः पीड़ित को उसकी प्रतिष्ठा को हुए नुकसान की भरपाई करना है।



Under civil law, it is covered through **law of torts**.

दीवानी कानून में यह टॉर्ट (Tort) के अंतर्गत आती है।



A tort is an act or omission that gives rise to injury or harm to another and amounts to a **civil wrong** for which courts impose liability.

टॉर्ट वह कृत्य या लापरवाही है जिससे किसी दूसरे को क्षति पहुँचती है और इसके लिए अदालतें दायित्व (Liability) तय करती हैं।



JRF Media Academy by Rohit

ARTICLE 19(2) OF THE INDIAN CONSTITUTION

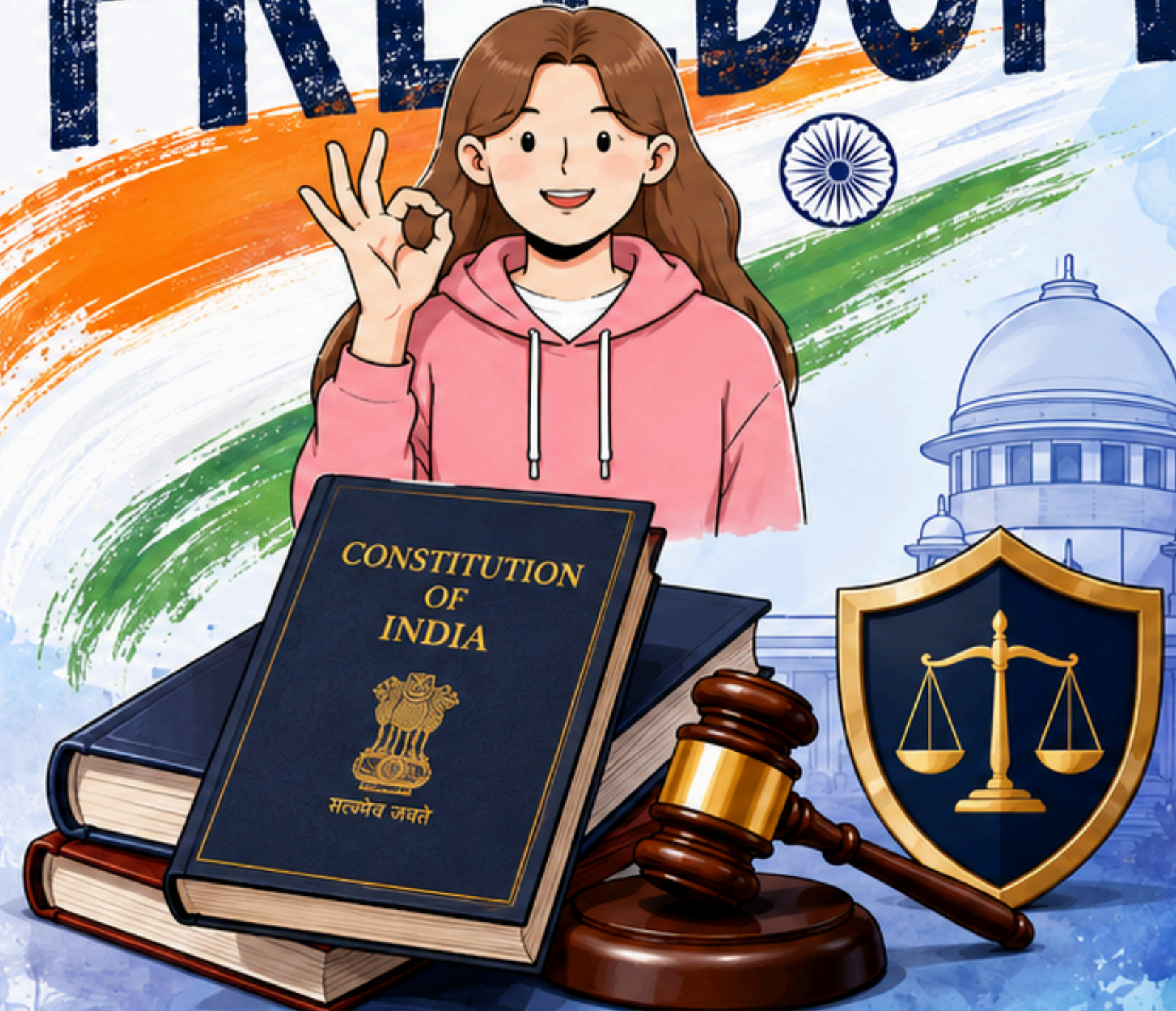
OUTLINES REASONABLE RESTRICTIONS ON THE FREEDOMS OF SPEECH

भाषण की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों का उल्लेख करता है



FREEDOM

-  **1** The security of the state
राज्य की सुरक्षा
-  **2** Friendly relations with foreign states
विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध
-  **3** Public order
सार्वजनिक व्यवस्था
-  **4** Decency or morality
शालीनता या नैतिकता
-  **5** Contempt of court
न्यायालय की अवमानना
-  **6** Defamation
मानहानि
-  **7** Incitement of an offence
किसी अपराध के लिए उकसाना
-  **8** Sovereignty and integrity of India
भारत की संप्रभुता और अखंडता





SECTION 499 OF IPC भारतीय दंड संहिता की धारा 499

Whoever, by words either spoken or intended to be read, or by signs or by visible representations, makes or publishes any **imputation concerning any person** intending **to harm**, or knowing or having reason to believe that such imputation will harm, the reputation of such person, is said, except in the cases hereinafter excepted, **to defame that person**.

जो कोई भी शब्दों, चाहे बोले गए हों या पढ़े जाने के लिए अभिप्रेत हों, या संकेतों द्वारा या दृश्य प्रतिनिधित्व द्वारा, किसी व्यक्ति के बारे में कोई **आक्षेप** लगाता है या प्रकाशित करता है, इस आशय से कि उसे हानि पहुंचाना है, या यह जानते हुए या यह मानने का कारण रखते हुए कि ऐसा आक्षेप **उसकी प्रतिष्ठा को हानि** पहुंचाएगा, वह, उन मामलों को छोड़कर जो आगे अपवादित हैं, उस व्यक्ति की **मानहानि** करता है।



Explanation 1.— It may amount to defamation to impute anything to a **deceased person**, if the imputation would harm the reputation of that person if living, and is intended to be hurtful to the feelings of his family or other near relatives.

स्पष्टीकरण 1.— किसी मृत व्यक्ति के बारे में आक्षेप लगाना मानहानि हो सकता है, यदि वह आक्षेप उस व्यक्ति की जीवित अवस्था में प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाता, और उसके परिवार या निकट संबंधियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए किया गया हो।



Explanation 2.— It may amount to defamation to make an imputation concerning a **company or an association or collection of persons as such**.

स्पष्टीकरण 2.— किसी कंपनी या संस्था या व्यक्तियों के समूह के बारे में आक्षेप लगाना मानहानि हो सकता है।



Explanation 3.— An imputation in the form of an **alternative or expressed ironically**, may amount to defamation.

स्पष्टीकरण 3.— किसी आक्षेप का वैकल्पिक रूप में या व्यंग्यात्मक रूप से किया जाना भी मानहानि हो सकता है।



SECTION 499 OF IPC मानहानि के 10 अपवाद



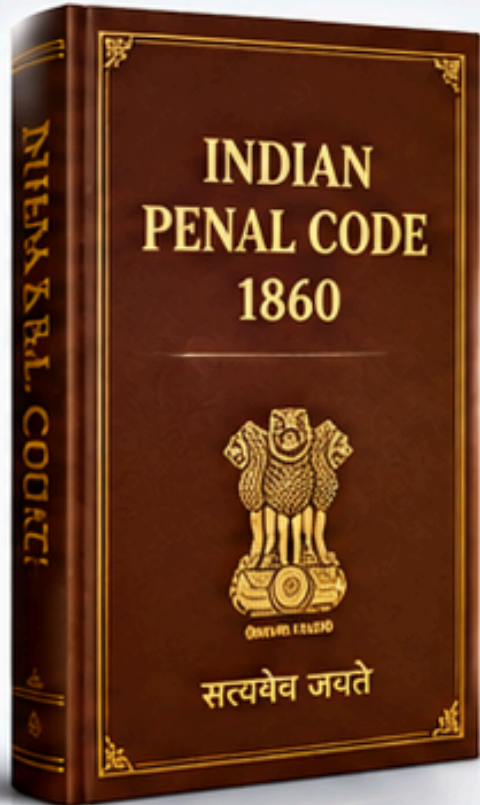
- 1** Imputation of **truth** which public good requires to be made or published. **सत्य** का ऐसा आक्षेप जिसे **लोकहित** में करना या प्रकाशित करना आवश्यक हो।
- 2** Public conduct of **public servants**. लोक सेवकों के सार्वजनिक आचरण के संबंध में आक्षेप।
- 3** Conduct of any person touching any **public question**. किसी सार्वजनिक प्रश्न से संबंधित किसी व्यक्ति के आचरण के संबंध में आक्षेप।
- 4** Publication of reports of proceedings of **Courts**. न्यायालय की कार्यवाही की रिपोर्ट का प्रकाशन।
- 5** Merits of case decided in **Court** or conduct of witnesses and others concerned. न्यायालय द्वारा निर्णय किए गए मामले के गुण-दोष या गवाहों व अन्य संबंधितों के आचरण के संबंध में आक्षेप।
- 6** Merits of **public performance**. सार्वजनिक प्रदर्शन के गुण-दोष के संबंध में आक्षेप।
- 7** Censure passed in good faith by person having **lawful authority** over another. किसी अन्य पर विधिक अधिकार रखने वाले व्यक्ति द्वारा सद्भावना में की गई निंदा।
- 8** Accusation preferred in good faith to **authorised person**. सद्भावना में अधिकृत व्यक्ति के समक्ष लगाया गया आरोप।
- 9** Imputation made in good faith by person for **protection of his or other's interests**. किसी व्यक्ति द्वारा अपने या दूसरे के हितों की रक्षा के लिए सद्भावना में किया गया आक्षेप।
- 10** Caution intended for **good of person** to whom conveyed or for **public good**. किसी व्यक्ति के हित या लोकहित में दी गई सावधानी संबंधी चेतावनी।



PUNISHMENT FOR DEFAMATION

मानहानि के लिए दंड

SECTION 500 OF IPC, 1860 भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 500



Whoever defames another shall be punished with **simple imprisonment** for a term which may extend to two years, or with **fine**, or with **both**.

जो कोई किसी अन्य व्यक्ति की मानहानि करता है, उसे सरल कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसकी अवधि दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, या जुर्माना, या दोनों से।



सरल कारावास

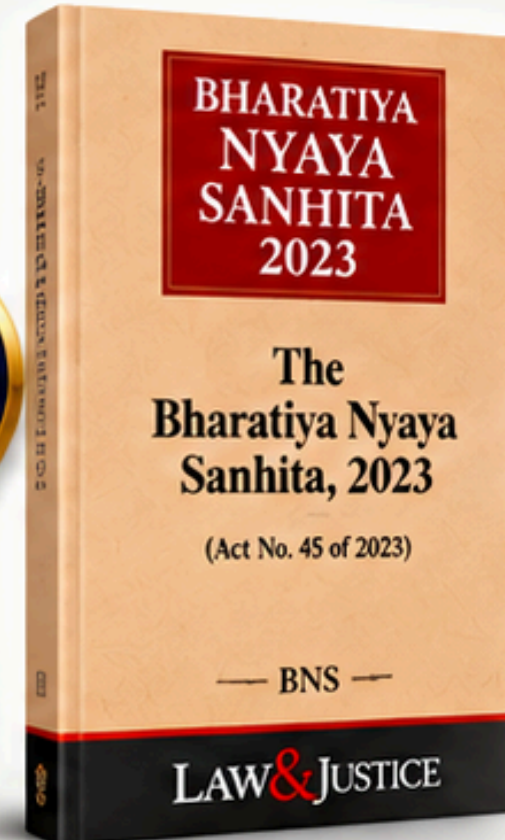


जुर्माना



दोनों

SECTION 356(2) OF THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023 भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356(2)



Whoever defames another shall be punished with **simple imprisonment** for a term which may extend to two years, or with fine, or with both or with **community service**.

जो कोई किसी अन्य व्यक्ति की मानहानि करता है, उसे सरल कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसकी अवधि दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, या जुर्माना, या दोनों से या सामुदायिक सेवा से।



सरल कारावास



जुर्माना



दोनों



सामुदायिक सेवा



ALL THE CLAUSES REMAINS SAME, EXCEPT **COMMUNITY SERVICE** HAS BEEN ADDED TO PUNISHMENT FOR DEFAMATION

सभी धाराएँ वही रहेंगी, सिवाय इसके कि मानहानि के लिए दंड में **सामुदायिक सेवा** को जोड़ा गया है।

PRINTING OR ENGRAVING MATTER KNOWN TO BE DEFAMATORY

मानहानिकारक सामग्री का मुद्रण या उत्कीर्णन

Section 501 of IPC, 1860 भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 501

“Whoever prints or engraves any matter, knowing or having good reason to believe that such matter is **defamatory** of any person, shall be punished with simple imprisonment for a term which may extend to **two years**, or with fine, or with both.”

जो कोई किसी विषय को मुद्रित या उत्कीर्णित करता है, और यह जानते हुए या अच्छे कारण से मानता है कि वह विषय किसी व्यक्ति की मानहानि करने वाला है, उसे दो वर्ष तक के साधारण कारावास या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जाएगा।

Simple Imprisonment
साधारण कारावास

Fine / जुर्माना

Both / दोनों

Simple Imprisonment up to **two years**, or Fine, or Both.
* दो वर्ष तक के साधारण कारावास या जुर्माना, या दोनों।

Section 356(3) of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023 भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356(3)

“Whoever prints or engraves any matter, knowing or having good reason to believe that such matter is **defamatory** of any person shall be punished with simple imprisonment for a term which may extend to **two years**, or with fine, or with both”

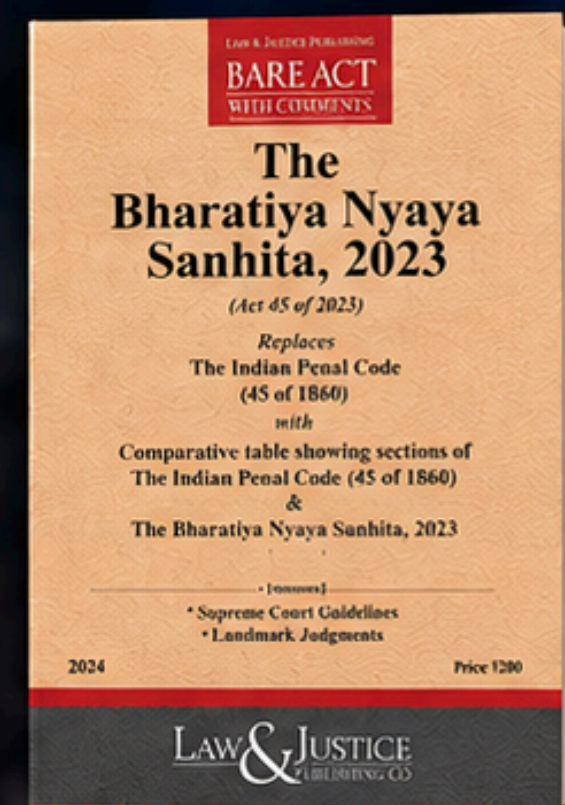
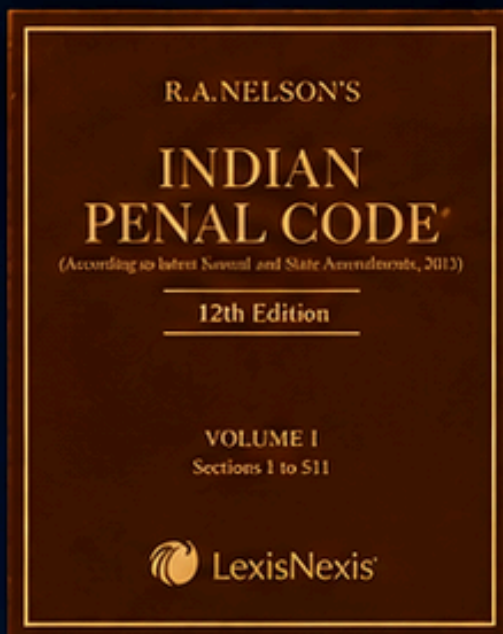
जो कोई किसी विषय को मुद्रित या उत्कीर्णित करता है, और यह जानते हुए या अच्छे कारण से मानता है कि वह विषय किसी व्यक्ति की मानहानि करने वाला है, उसे दो वर्ष तक के साधारण कारावास या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जाएगा।

Simple Imprisonment
साधारण कारावास

Fine / जुर्माना

Both / दोनों

Simple Imprisonment up to **two years**, or Fine, or Both.
* दो वर्ष तक के साधारण कारावास या जुर्माना, या दोनों।



JRF Media Academy by Rohit

SALE OF PRINTED OR ENGRAVED SUBSTANCE CONTAINING **DEFAMATORY MATTER**

मानहानिकारक सामग्री युक्त मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ की बिक्री

Section 502 of IPC, 1860 भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 502

“Whoever **sells or offers for sale** any printed or engraved substance containing **defamatory matter**, knowing that it contains such matter, shall be punished with simple imprisonment for a term which may extend to **two years**, or with fine, or with both

जो कोई मानहानिकारक सामग्री युक्त मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ की बिक्री करता है या बिक्री के लिए प्रस्तुत करता है, यह जानते हुए कि उसमें ऐसी सामग्री है, उसे दो वर्ष तक के साधारण कारावास, या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जाएगा।



Simple Imprisonment up to **two years**, or Fine, or Both

Section 356(4) of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023 भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356(4)

“Whoever **sells or offers for sale** any printed or engraved substance containing **defamatory matter**, knowing that it contains such matter shall be punished with simple imprisonment for a term which may extend to **two years**, or with fine, or with both

जो कोई मानहानिकारक सामग्री युक्त मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ की बिक्री करता है या बिक्री के लिए प्रस्तुत करता है, यह जानते हुए कि उसमें ऐसी सामग्री है, उसे दो वर्ष तक के साधारण कारावास, या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जाएगा।



Simple Imprisonment up to **two years**, or Fine, or Both



JRF Media Academy by Rohit

QUESTION प्रश्न



_____ article is related to defamation.

_____ अनुच्छेद मानहानि से संबंधित है।

1. 599

2. 499



3. 420

4. None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं



ARTICLE RELATED TO DEFAMATION
मानहानि से संबंधित अनुच्छेद

ARTICLE 19(2)

EXPLANATION व्याख्या

SECTION 499 OF INDIAN PENAL CODE (IPC)

भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 499

CONTAINS THE CRIMINAL LIABILITY OF
में आपराधिक दालित्व का प्रावधान है



(A) copyright
कॉपीराइट



(B) contempt of court
न्यायालय की अबमानना



(C) defamation
मानहानि



Contempt of Court Act 1971

- For the media, criminal contempt is particularly relevant.
- Actions such as publishing material that biases public opinion against a party in an ongoing trial, or outright criticism of judges in a manner that undermines their authority, can be considered criminal contempt.



- मीडिया के लिए, आपराधिक अवमानना विशेष रूप से प्रासंगिक हैं।
- ऐसी कार्यवाहियाँ जैसे किसी चल रहे मुकदमे में किसी पक्ष के खिलाफ सार्वजनिक राय को प्रभावित करने वाली सामग्री प्रकाशित करना, या न्यायाधीशों की ऐसी आलोचना करना जो उनकी प्राधिकारिता को कमजोर करे, आपराधिक अवमानना मानी जा सकती हैं।

It is the crime of being disobedient to or disrespectful toward a court of law and its officers in the form of behavior that opposes or defies the authority, justice, and dignity of the court

यह कानून की अदालत और उसके अधिकारियों के प्रति अवज्ञा या अनादर करने का अपराध है जिसमें ऐसा व्यवहार शामिल है जो अदालत की प्राधिकारिता, न्याय और गरिमा का विरोध या अवमानना करता है।



JRF Media Academy by Rohit

NOT OF CONTEMPT OF COURT अवमानना नहीं है

-  Innocent publication and distribution of matter not contempt.
निर्दोष प्रकाशन और वितरण अवमानना नहीं है।
-  Fair and accurate report of judicial proceeding not contempt.
न्यायिक कार्यवाही की निष्पक्ष और सटीक रिपोर्ट अवमानना नहीं है।
-  Fair criticism of judicial act not contempt.
न्यायिक कार्य की निष्पक्ष आलोचना अवमानना नहीं है।
-  Complaint against presiding officers of subordinate courts when not contempt.
अधीनस्थ न्यायालयों के अध्यक्ष अधिकारियों के विरुद्ध शिकायत अवमानना नहीं है।
-  Publication of information relating to proceedings in chambers or in camera not contempt excepting certain cases.
चेम्बर या इन कैमरा कार्यवाही से संबंधित जानकारी का प्रकाशन अवमानना नहीं है, सिवाय कुछ मामलों को छोड़कर।



TRUTH AS A DEFENSE सत्य एक बचाव है

[13. Contempts not punishable in certain cases.—Notwithstanding anything contained in any law for the time being in force,—

[13. कुछ मामलों में अवमानना दंडनीय नहीं है। —किसी अन्य कानून में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, जो उस समय प्रवर्तित है,—

 (a) no court shall impose a sentence under this Act for a contempt of court unless it is satisfied that the contempt is of such a nature that it substantially interferes, or tends substantially to interfere with the due course of justice;

(क) कोई न्यायालय इस अधिनियम के तहत अवमानना के लिए दंड तभी देगा जब वह संतुष्ट हो कि अवमानना की प्रकृति ऐसी है कि यह न्याय की विधि के उचित प्रवाह में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालती है, या डालने का प्रयास करती है;

 (b) the court may permit, in any proceeding for contempt of court, justification by truth as a valid defence if it is satisfied that it is in public interest and the request for invoking the said defence is *bona fide*.]

(ख) किसी भी अवमानना कार्यवाही में न्यायालय सत्य के आधार पर उचित कारण को एक वैध बचाव के रूप में स्वीकार कर सकता है, यदि वह संतुष्ट हो कि यह लोकहित में है और उक्त बचाव का उपयोग करने का अनुरोध सद्भावना से किया गया है।]



Contempt of Court 1971



Civil Contempt, Sec 2(b) सिविल अवमानना, धारा 2(ख)



This involves the willful disobedience of court orders or judgments, or the willful breach of an undertaking given to the court.

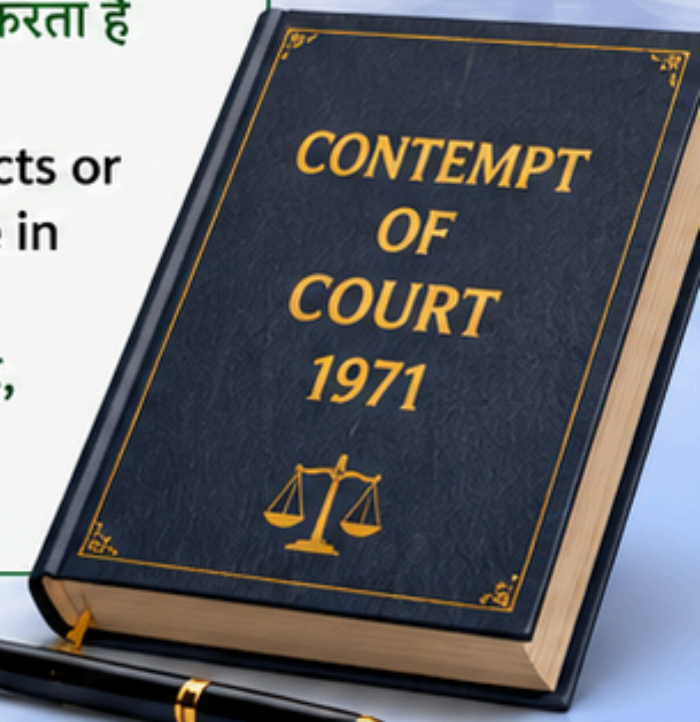
इसमें न्यायालय के आदेशों या निर्णयों की जानबूझकर अवज्ञा या न्यायालय को दिए गए उपक्रम का जानबूझकर उल्लंघन शामिल है।

Criminal Contempt, Sec 2 (c) क्रिमिनल अवमानना, धारा 2 (ग)



This includes any act or publication that:

- **Scandalizes** or tends to scandalize the court;
न्यायालय को बदनाम करता है या करने की प्रवृत्ति रखता है;
- **Prejudices**, or interferes or tends to interfere with, the due course of any judicial proceeding;
किसी न्यायिक कार्यवाही में पक्षपात करता है, या हस्तक्षेप करता है या हस्तक्षेप करने की प्रवृत्ति रखता है;
- **Interferes** or tends to interfere with, or obstructs or tends to obstruct, the administration of justice in any other manner.
न्याय के प्रशासन में किसी अन्य प्रकार से हस्तक्षेप करता है, या बाधा डालता है या बाधा डालने की प्रवृत्ति रखता है।



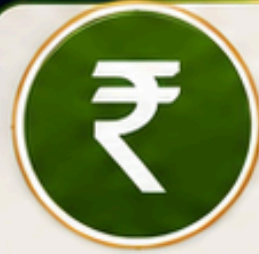
Section 12 of Contempt of Court Case 1971

The act punishes the guilty with:

अधिनियम दोषी को दंडित करता है:



1. Imprisonment
for up to six months
अधिकतम छह महीने
तक का कारावास



2. A fine of
Rs 2,000
₹ 2,000 का जुर्माना



3.
or both
या दोनों



CONTEMPT
OF COURT



Apology
क्षमा याचना

Provided that the accused may be discharged or the punishment awarded may be remitted on apology being made to the satisfaction of the Court.

परन्तु यह कि अभियुक्त को बरी किया जा सकता है या दी गई सजा को उस स्थिति में माफ किया जा सकता है जब न्यायालय की संतुष्टि के लिए क्षमा याचना की जाए।

Limitation for actions for contempt

अवमानना के लिए कार्यवाही की सीमा

Section 20

20. Limitation for actions for contempt.—No court shall initiate any proceedings of contempt, either on its own motion or otherwise, after the **expiring of a period of one year from the date** on which the contempt is alleged to have been committed.

20. अवमानना के लिए कार्यवाही की सीमा.—कोई न्यायालय अवमानना की कोई कार्यवाही, या तो स्वयं के संज्ञान से या अन्यथा, **उस दिनांक से एक वर्ष की अवधि व्यतीत होने के बाद प्रारंभ नहीं करेगा,** जिस दिन अवमानना कथित रूप से की गई हो।



JRF Media Academy by Rohit

Laws of Obscenity

Decency and morality is one of the ground under Article 19(2) of the constitution of India on the basis of which reasonable restriction can be imposed to freedom of speech and expression.

शालीनता और नैतिकता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाने का आधार हैं।



- The word obscene came from the Latin term Obscenus which means 'offensive'.



- शब्द obscene लैटिन शब्द Obscenus से आया है जिसका अर्थ 'अपमानजनक' होता है।



- The Oxford Dictionary defines obscene as "offensive or disgusting by accepted standards of morality and decency".

- ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार obscene का अर्थ है "स्वीकार्य नैतिकता और शालीनता के मानकों से अपमानजनक या घृणित"।



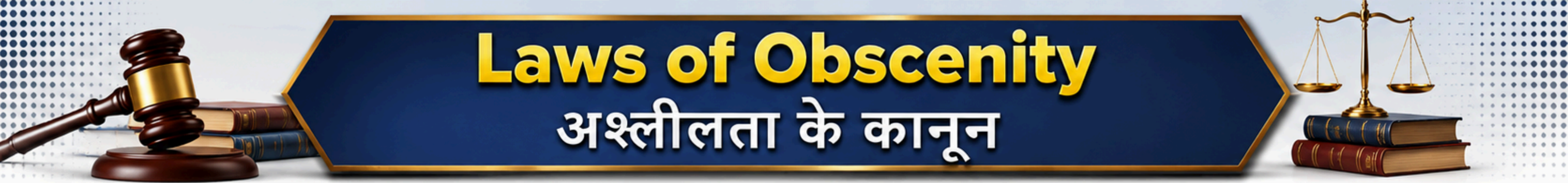
- the terms that are used to define obscenity like- Lascivious, Prurient, Deprave and Corrupt have not been clearly defined, leaving room for interpretation by the judiciary.

- अश्लीलता को परिभाषित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले शब्द जैसे- Lascivious, Prurient, Deprave और Corrupt स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं, जिससे न्यायपालिका द्वारा व्याख्या की गुंजाइश रहती है।

- Literature, art, gesture, movie or any scene in videos also come under obscene content if they violate contemporary community standards.

- साहित्य, कला, इशारा, फिल्म या वीडियो का कोई भी दृश्य यदि समकालीन सामुदायिक मानकों का उल्लंघन करता है तो वह अश्लील सामग्री की श्रेणी में आता है।



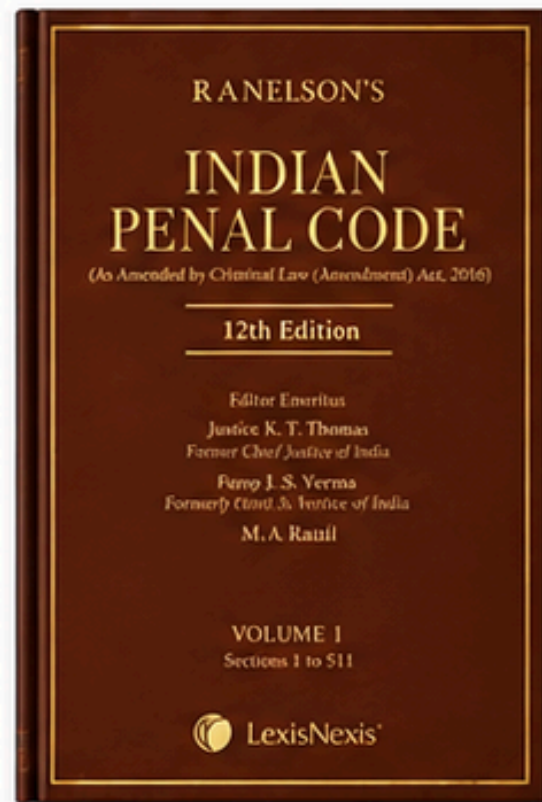


Laws of Obscenity

अश्लीलता के कानून

1860

Indian Penal Code
भारतीय दंड संहिता



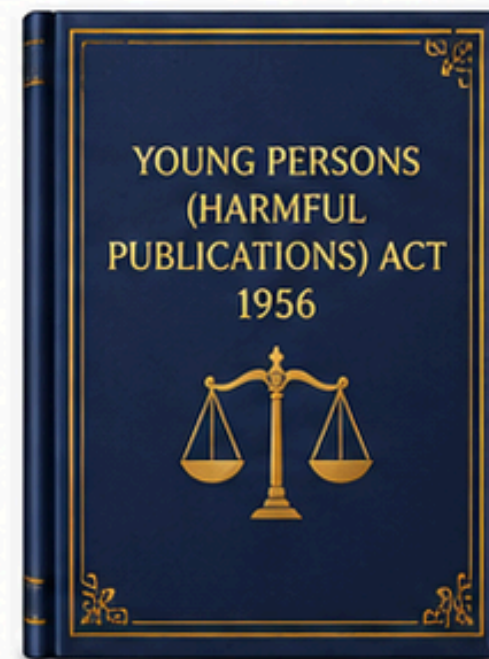
धारा 292, 293, 294

Sections 292, 293, 294

1956

**Young Persons
(Harmful
Publications) Act
1956**

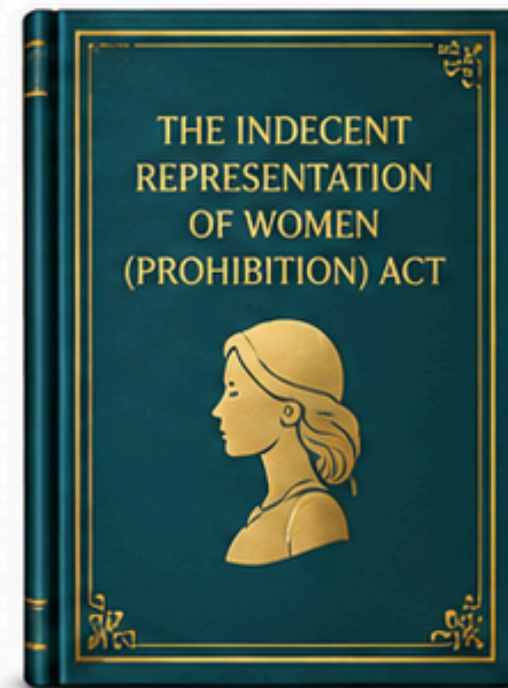
युवक (हानिकारक
प्रकाशन) अधिनियम
1956



1986

**The Indecent
Representation of
Women
(Prohibition) Act**

महिलाओं का अश्लील
चित्रण (निषेध) अधिनियम



2000

IT Act 2000
सूचना प्रौद्योगिकी
अधिनियम 2000

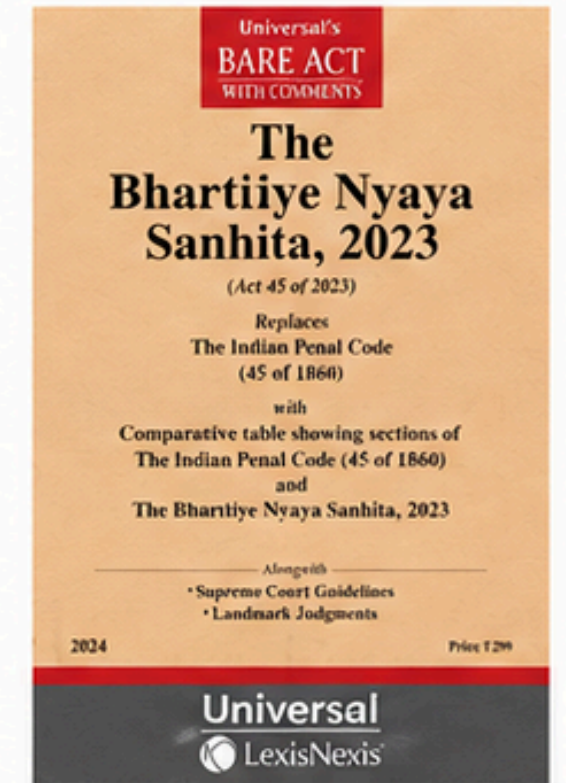


धारा 67 A और 67 B

Sec 67 A and 67 B

1st July 2024

**The Bhartiye Nyaya
Sanhita 2023**
भारतीय न्याय संहिता 2023



धारा 294, 295, 296

Sections 294, 295, 296



JRF Media Academy by Rohit



Tests of Obscenity

अश्लीलता की परीक्षण कसौटियाँ



1868

1957

1973



Hicklin Test

हिकलिन टेस्ट

- In Regina V. Hicklin (1868)
- This test defined obscene material as anything that tended to **"deprave and corrupt those whose minds are open to such immoral influences."**
- The main focus of the Hicklin test was on susceptible and impressionable audiences, such as children or weak-minded individuals.

- Regina V. Hicklin (1868) के मामले में
- इस परीक्षण में अश्लील सामग्री को ऐसी चीज माना गया जो "उनके मन को भ्रष्ट और दूषित करने की प्रवृत्ति रखती हो जो ऐसे अनैतिक प्रभावों के लिए खुले हों।।
- हिकलिन टेस्ट का मुख्य ध्यान संवेदनशील और प्रभावित होने वाले दर्शकों, जैसे बच्चे या मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों पर था।



Roth test

रॉथ टेस्ट

- This test moved away from the Hicklin test's focus on susceptible audiences.
- Instead it asked whether the dominant theme of the material taken as a whole appealed to the **"prurient interest"** of the **average person**, applying contemporary community standards.
- Under the Roth test, material was considered obscene if it did not redeem **social importance**.

- यह परीक्षण हिकलिन टेस्ट के संवेदनशील दर्शकों पर केंद्रित दृष्टिकोण से हट गया।
- इसके बजाय इसने पूछा कि सामग्री के संयुक्त स्वरूप का मुख्य विषय समकालीन सामुदायिक मानकों के अनुसार औसत व्यक्ति के "कामेच्छी रुचि" को आकर्षित करता है या नहीं।
- रॉथ टेस्ट के तहत, यदि सामग्री में सामाजिक महत्त्व नहीं होता, तो उसे अश्लील माना गया।



Miller test

मिलर टेस्ट

The Miller test has three-prong test:

1. Whether the work appeals to the prurient interest of **the average person**
2. Whether the work depicts or describes sexual conduct in a **patently offensive** way
3. Whether the work **lacks serious literary, artistic, political, or scientific value**

मिलर टेस्ट में तीन स्तरीय परीक्षण है:

1. क्या वह कार्य औसत व्यक्ति की कामेच्छी रुचि को आकर्षित करता है
2. क्या वह कार्य यौन आचरण को स्पष्ट रूप से आपत्तिजनक तरीके से दर्शाता या वर्णित करता है
3. क्या उस कार्य में गंभीर साहित्यिक, कलात्मक, राजनीतिक या वैज्ञानिक मूल्य का अभाव है



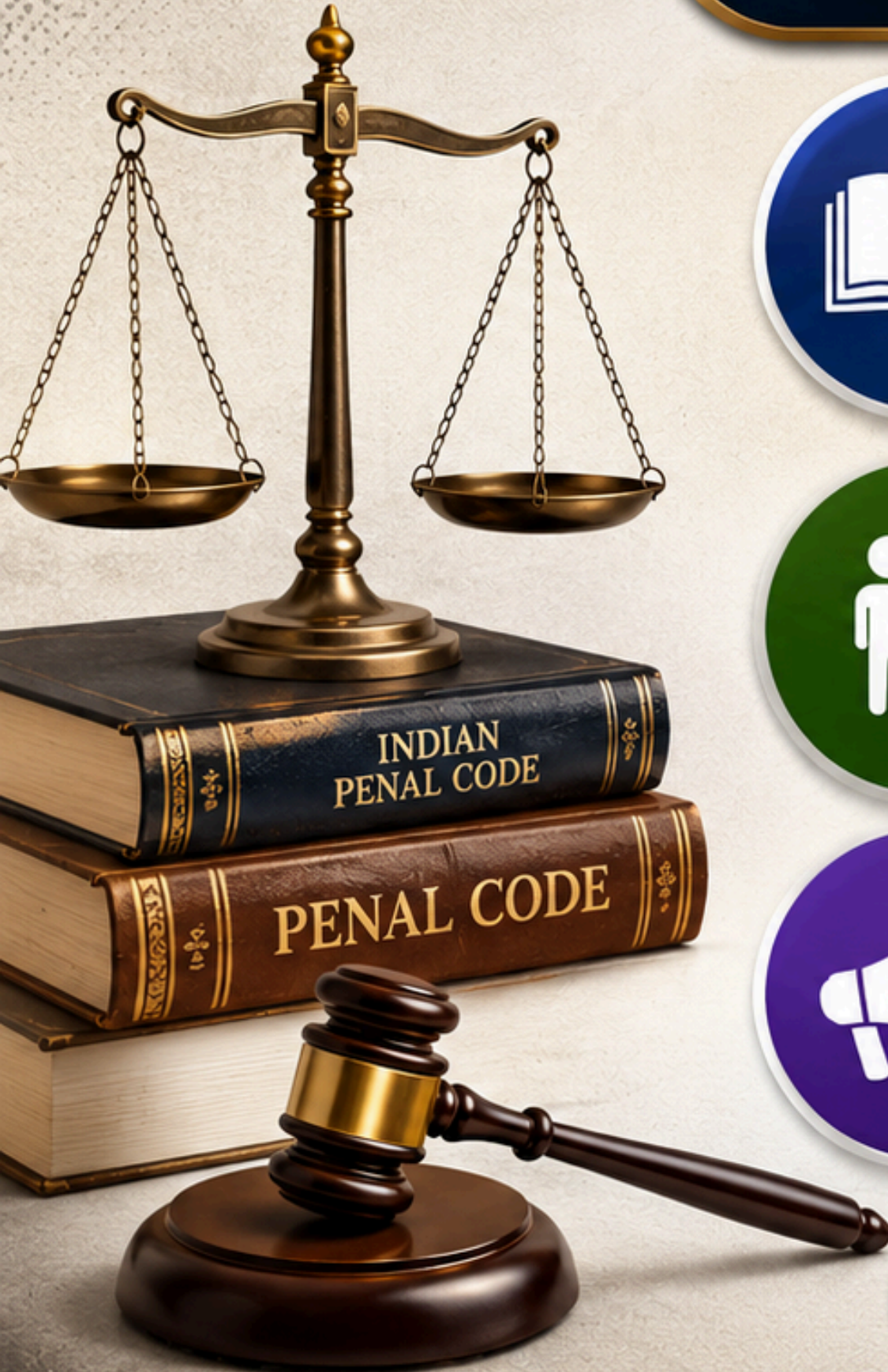
JRF Media Academy by Rohit





Law of Obscenity

IPC 292-294



Section 292:

Prohibits the sale, distribution, and public exhibition of obscene books, materials, and representations.

धारा 292:

अश्लील पुस्तकों, सामग्री और चित्रणों की बिक्री, वितरण और सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक लगाती है।



Section 293:

Prohibits the sale or distribution of obscene objects to persons under twenty years of age.

धारा 293:

बीस वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को अश्लील वस्तुओं की बिक्री या वितरण पर रोक लगाती है।



Section 294:

Penalizes performing obscene acts or singing, reciting, or uttering obscene songs in public places.

धारा 294:

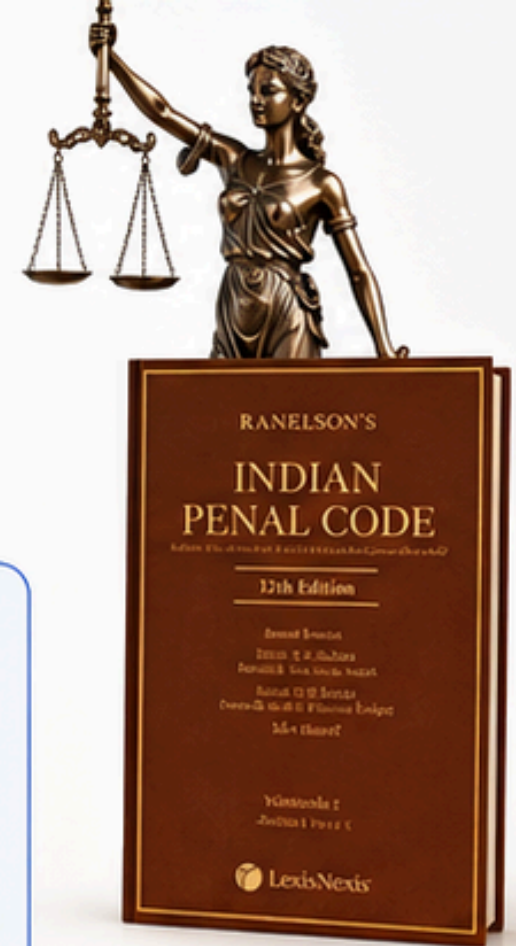
सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्य करने या अश्लील गाने गाने, सुनाने या बोलने पर दंडित करती है।



JRF Media Academy by Rohit

Section 292 of IPC, 1860

Sale of obscene books and other matter अश्लील पुस्तकों और अन्य सामग्री की बिक्री



Offenses Covered

- 1 Selling, renting, distributing, publicly exhibiting, or circulating obscene materials.
- 2 Making, possessing, importing, exporting, or conveying obscene objects for sale, hire, distribution, or public exhibition.
- 3 Taking part in or profiting from a business involving obscene materials.
- 4 Advertising or promoting acts that violate this section.
- 5 Attempting any act that violates this section.

अपराधों का दायरा

- 1 अश्लील सामग्री को बेचना, किराए पर देना, वितरित करना, सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना या प्रसारित करना।
- 2 बिक्री, किराए, वितरण या सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए अश्लील वस्तुओं का निर्माण, रखना, आयात करना, निर्यात करना या ले जाना।
- 3 अश्लील सामग्री से संबंधित व्यवसाय में भाग लेना या उससे लाभ कमाना।
- 4 इस धारा का उल्लंघन करने वाले कार्यों का विज्ञापन या प्रचार करना।
- 5 इस धारा का उल्लंघन करने वाले किसी भी कार्य का प्रयास करना।

Punishment

- **First Conviction:** Imprisonment up to 2 years and a fine up to 2,000 rupees.
- **Subsequent Convictions:** Imprisonment up to 5 years and a fine up to 5,000 rupee

दंड

- **प्रथम दोषसिद्धि:** 2 वर्ष तक का कारावास और 2,000 रुपये तक का जुर्माना।
- **पुनरावृत्ति दोषसिद्धि:** 5 वर्ष तक का कारावास और 5,000 रुपये तक का जुर्माना।



JRF Media Academy by Rohit



Sale of Obscene Objects to **Young Persons**

Section 293 of IPC, 1860

Offenses Covered

Whoever sells, lets to hire, distributes, exhibits or circulates to any person under the **age of twenty years** any such obscene object as is referred to in the last preceding section, or offers or attempts so to do, shall be punished

अपराधों का दायरा

जो कोई भी **बीस वर्ष से कम आयु** के किसी व्यक्ति को, पिछली धारा में उल्लिखित किसी भी अश्लील वस्तु को बेचता है, किराए पर देता है, वितरित करता है, प्रदर्शित करता है या प्रसारित करता है, या ऐसा करने का प्रस्ताव करता है या प्रयास करता है, उसे दंडित किया जाएगा।

Punishment

- First Conviction: Imprisonment up to **3 years** and a fine of up to **2,000 rupees**.
- Subsequent Convictions: Imprisonment up to **7 years** and a fine up to **5,000 rupees**.

दंड

- प्रथम दोषसिद्धि: **3 वर्ष** तक का कारावास और **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।
- पुनरावृत्ति दोषसिद्धि: **7 वर्ष** तक का कारावास और **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Obscene Songs and Acts

Section 294 of IPC, 1860



Offenses Covered

- Whoever, to the annoyance of others,
- (a) does any **obscene act** in any public place, or
 - (b) sings, recites or utters any **obscene song, ballad or words**, in or near any public place,
- shall be punished with imprisonment of either description for a term which may extend to **three months**, or with fine, or with both.



अपराधों का दायरा

- जो कोई, दूसरों को कष्ट पहुंचाने के लिए,
- (क) किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई **अश्लील कृत्य** करता है, या
 - (ख) किसी सार्वजनिक स्थान पर या उसके निकट कोई **अश्लील गीत, गान या शब्द** गाता है, पढ़ता है या बोलता है,
- उसे किसी भी प्रकार के कारावास से, जिसकी अवधि **तीन माह** तक हो सकती है, या जुर्माने से, या दोनों से दंडित किया जाएगा।



Punishment

Imprisonment which may extend to **three months**, or with fine, or with both



दंड

कारावास जिसकी अवधि **तीन माह** तक हो सकती है, या जुर्माने से, या दोनों से



JRF Media Academy by Rohit

IPC (292-294) vs Bhartiye Nyay Sanhita (294-296)

मुख्य प्रावधानों की तुलना

IPC (292-294)



1. Section 292:
Prohibits sale of obscene materials.

धारा 292: अश्लील सामग्री की बिक्री पर रोक।



2. Section 293:
Bars distributing obscene content to minors.

धारा 293: नाबालिगों को अश्लील सामग्री वितरित करने पर रोक।



3. Section 294:
Addresses obscene acts in public places.

धारा 294: सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्यों पर रोक।

Bhartiye Nyay Sanhita (294-296)



1. Section 294:
Prohibits sale of obscene materials.

धारा 294: अश्लील सामग्री की बिक्री पर रोक।



2. Section 295:
Bars distributing obscene content to minors.

धारा 295: नाबालिगों को अश्लील सामग्री वितरित करने पर रोक।



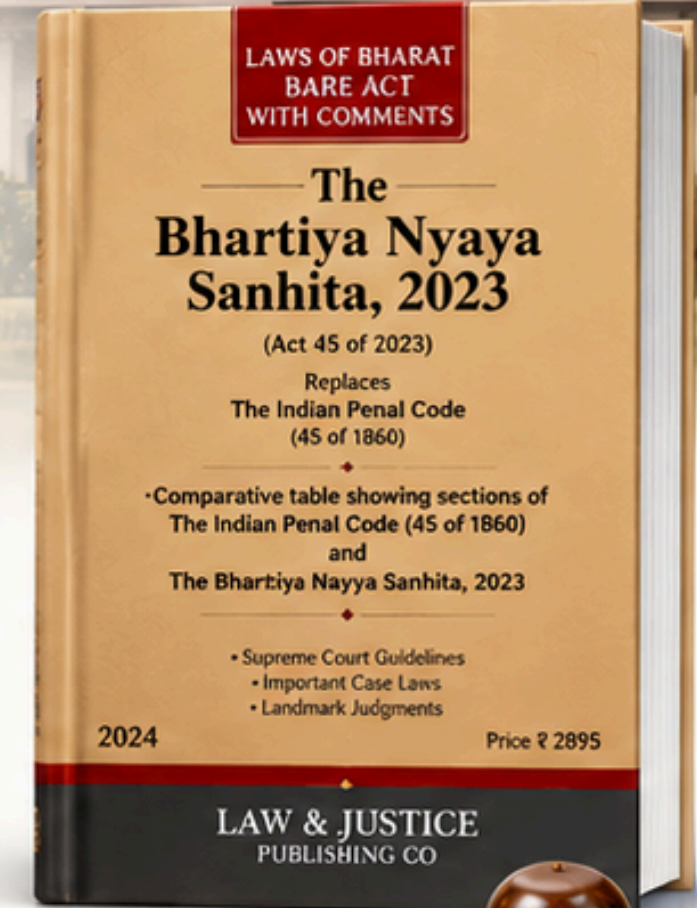
3. Section 296:
Addresses obscene acts in public places.

धारा 296: सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्यों पर रोक।



Apart from the minor change in the numbers and Punishment on Sale of Obscene all other contents of acts remains the same in BNS 2023

BNS 2023 में केवल धाराओं की संख्या और अश्लील सामग्री की बिक्री पर दंड में मामूली बदलाव हुआ है, अन्य सभी प्रावधान यथावत हैं।



JRF Media Academy by Rohit

SALE OF OBSCENE BOOKS AND OTHER MATTER

अश्लील पुस्तकों और अन्य सामग्री की बिक्री

Section 292 of IPC, 1860 धारा 292, भारतीय दंड संहिता, 1860



First Conviction:

Imprisonment up to **2 years** and a fine up to **2,000** rupees.

प्रथम दोषसिद्धि:

2 वर्ष तक का कारावास और **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Subsequent Convictions:

Imprisonment up to **5 years** and a fine up to **5,000** rupees.

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि:

5 वर्ष तक का कारावास और **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।

Section 294 of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023 धारा 294, भारतीय न्याय संहिता, 2023



Effective from 1st July 2024
प्रभावी दिनांक 1 जुलाई 2024 से

First Conviction:

Imprisonment up to **2 years** and a fine of up to **5,000** rupees.

प्रथम दोषसिद्धि:

2 वर्ष तक का कारावास और **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Subsequent Convictions:

Imprisonment of up to **5 years** and a fine of up to **10,000** rupees.

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि:

5 वर्ष तक का कारावास और **10,000 रुपये** तक का जुर्माना।



- **Section 292:** Prohibits sale of obscene materials.
धारा 292: अश्लील सामग्री की बिक्री पर रोक।
- **Section 293:** Bars distributing obscene content to minors.
धारा 293: नाबालिगों को अश्लील सामग्री वितरित करने पर रोक।
- **Section 294:** Addresses obscene acts in public places.
धारा 294: सांख्यिक स्थलों पर अश्लील कृत्यों पर रोक।

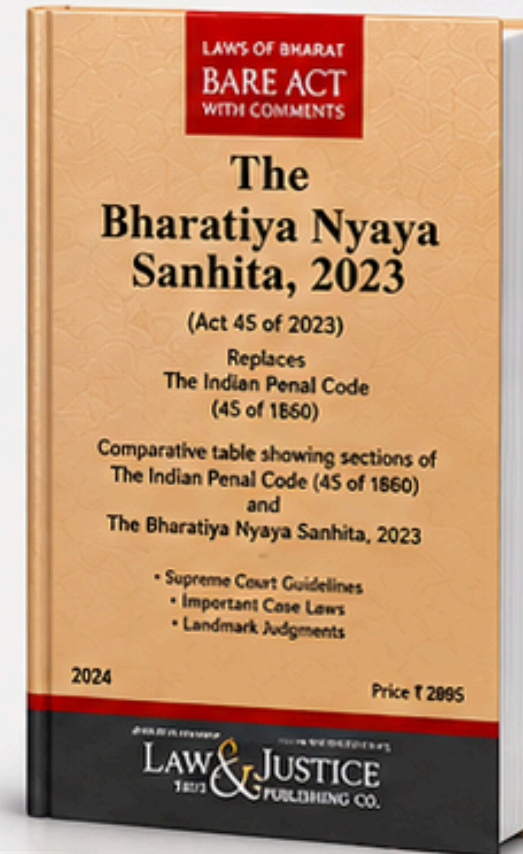


- **Section 294:** Prohibits sale of obscene materials.
धारा 294: अश्लील सामग्री की बिक्री पर रोक।
- **Section 295:** Bars distributing obscene content to minors.
धारा 295: नाबालिगों को अश्लील सामग्री वितरित करने पर रोक।
- **Section 296:** Addresses obscene acts in public places.
धारा 296: सांख्यिक स्थलों पर अश्लील कृत्यों पर रोक।



Apart from the change in the numbers and Punishment on Sale of Obscene all other contents of acts remains the same in BNS 2023

धाराओं के नंबरों और बिक्री पर दंड में मामूली बदलाव के अलावा, अश्लील सामग्री से संबंधित अन्य सभी प्रावधान यथावत हैं।



SALE OF OBSCENE OBJECTS TO YOUNG PERSONS

अश्लील वस्तुओं की बिक्री युवा व्यक्तियों को देने पर दंड



Section 293 of IPC, 1860 धारा 293, भारतीय दंड संहिता, 1860



First Conviction:

Imprisonment of up to **3 years** and a fine of up to **2,000** rupees.

प्रथम दोषसिद्धि:

अधिकतम **3 वर्ष** तक का कारावास
और अधिकतम **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Subsequent Convictions:

Imprisonment up to **7 years**
and a fine of up to **5,000** rupees.

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि:

अधिकतम **7 वर्ष** तक का कारावास
और अधिकतम **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।

Section 295 of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023 धारा 295, भारतीय न्याय संहिता, 2023



Effective from 1st July 2024

प्रभावी दिनांक 1 जुलाई 2024 से

First Conviction:

Imprisonment of up to **3 years**
and a fine of up to **2,000** rupees.

प्रथम दोषसिद्धि:

अधिकतम **3 वर्ष** तक का कारावास
और अधिकतम **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।

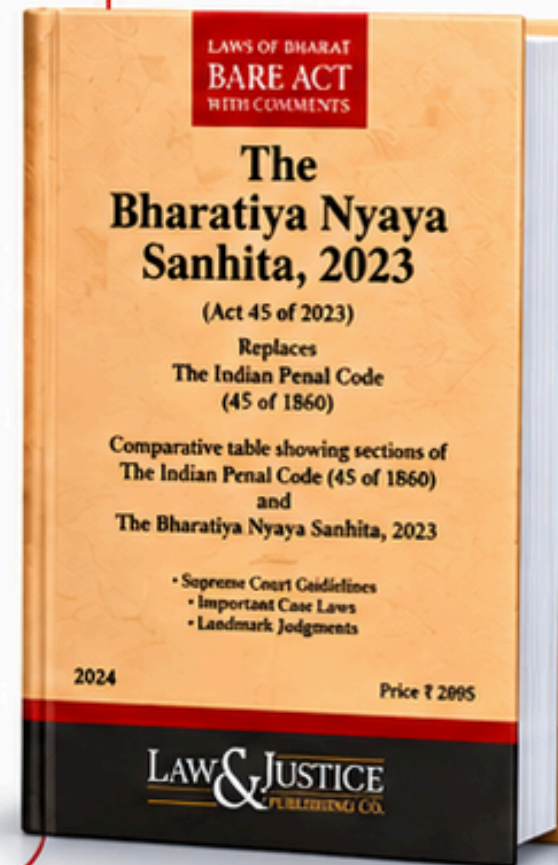


Subsequent Convictions:

Imprisonment up to **7 years**
and a fine of up to **5,000** rupees.

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि:

अधिकतम **7 वर्ष** तक का कारावास
और अधिकतम **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Section 293 (IPC, 1860)

प्रथम दोषसिद्धि: **3 वर्ष** तक का कारावास
और **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि: **7 वर्ष** तक का कारावास
और **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।



Section 295 (BNS, 2023)

प्रथम दोषसिद्धि: **3 वर्ष** तक का कारावास
और **2,000 रुपये** तक का जुर्माना।

पुनरावृत्ति दोषसिद्धि: **7 वर्ष** तक का कारावास
और **5,000 रुपये** तक का जुर्माना।



JRF Media Academy by Rohit

OBSCENE ACTS AND SONGS

अश्लील कृत्य और गीत



Section 294 of IPC, 1860 धारा 294, भारतीय दंड संहिता, 1860



Imprisonment which may extend to **three months**, or with **fine**, or with **both**

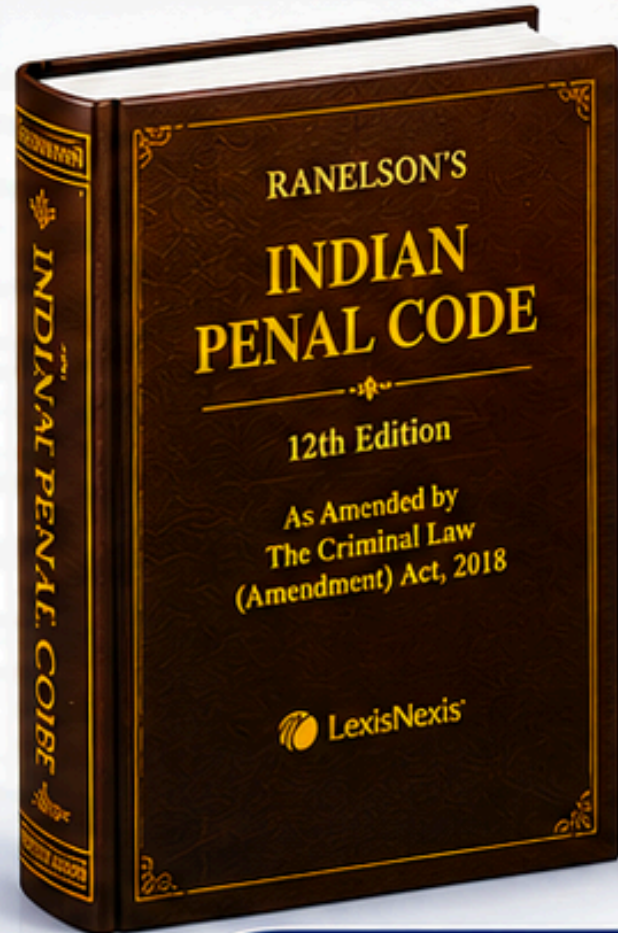
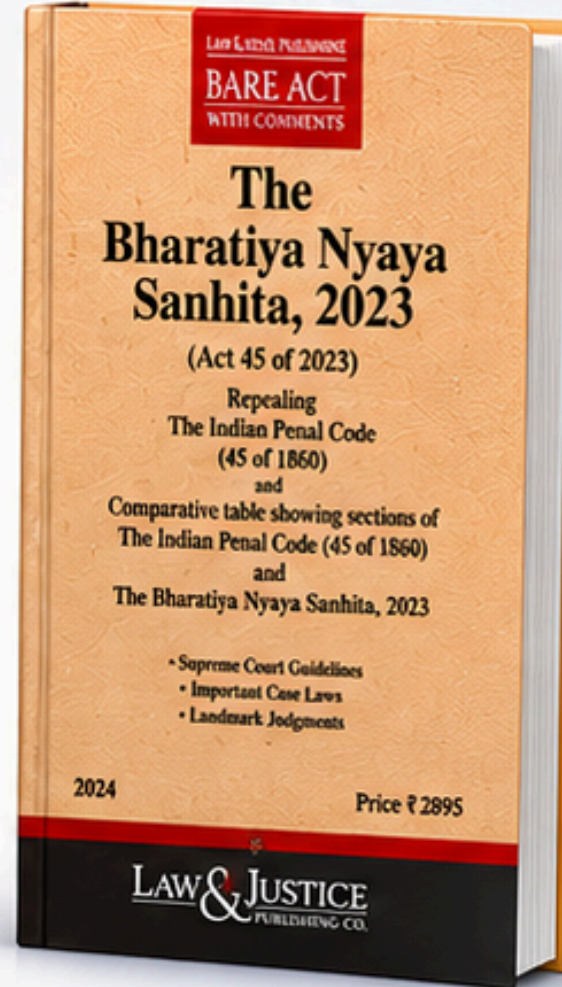
ऐसी कारावास जो **तीन महीने** तक हो सकता है, या **जुर्माना**, या **दोनों** के साथ

New Section **नया प्रावधान**

Section 296 of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023

— deals with —
**Obscene acts
and songs**

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 296
अश्लील कृत्य और गीतों से संबंधित है।



Section 294 of IPC, 1860
Imprisonment which may extend to three months, or with fine, or with both

धारा 294, भारतीय दंड संहिता, 1860
ऐसी कारावास जो **तीन महीने** तक हो सकता है, या जुर्माना, या दोनों के साथ



Section 296 of THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023
deals with Obscene acts and songs

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 296
अश्लील कृत्य और गीतों से संबंधित है।



JRF Media Academy by Rohit



YOUNG PERSONS (HARMFUL PUBLICATIONS) ACT 1956

युवा व्यक्तियों (हानिकारक प्रकाशन) अधिनियम 1956



“HARMFUL PUBLICATION” MEANS

“हानिकारक प्रकाशन” का अर्थ

any book, magazine, Pamphlet, leaflet, newspaper or other like publication that consists of stories told with the **aid of pictures** or without the aid of pictures or wholly in pictures, being stories portraying wholly or mainly—

कोई भी पुस्तक, पत्रिका, पैम्पलेट, पर्चा, समाचारपत्र या अन्य इसी प्रकार का प्रकाशन, जिसमें **चित्रों की सहायता से**, या **बिना चित्रों की सहायता से**, या **पूर्णातः चित्रों में** कथाएँ हों, और वे कथाएँ **मुख्यतः निम्न** को दर्शाती हों—



1



- (i) the commission of offences;
(i) **अपराधों** के किए जाने का चित्रण

2



- (ii) acts of violence or cruelty
(ii) **हिंसा** या **क्रूरता** के कार्य

3



- (iii) incidents of a repulsive or horrible nature
(iii) **घृणित** या **भयावह** प्रकृति की घटनाएँ



“YOUNG PERSON” MEANS

a person under the age of **twenty years**.

“युवा व्यक्ति” का अर्थ

बीस वर्ष से कम आयु का व्यक्ति।



PUNISHMENT / दंड



Imprisonment which may extend to **6 months** or fine or with both.
कारावास जो **6 महीने** तक का हो सकता है या **जुर्माना** या **दोनों** के साथ।



The Indecent Representation of Women (Prohibition) Act 1986

महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम 1986



Offenses Covered आवृत्त अपराध

- The act punishes the **coarse representation** of women, which means “the illustration in any other manner of the figure of women; her from or any other part thereof in such way as to have the effect of being **indecent**, or **outrageous** to, or **denigrating** women, or is likely to **deprive, corrupt or injure the public virtue or morals.**”
- यह अधिनियम महिलाओं के **अश्लील चित्रण** को दंडित करता है, जिसका अर्थ है “किसी अन्य तरीके से महिलाओं की आकृति का चित्रण; उसका या उसके किसी अन्य भाग का इस प्रकार चित्रण करना कि उसका प्रभाव **अश्लील**, या **अशोभनीय**, या महिलाओं का **अपमान करने वाला** हो, या **लोक नैतिकता** या **सदाचार** को कमजोर, भ्रष्ट या क्षति पहुंचाने वाला हो।”



Penalty दंड

- First Offence:** Imprisonment up to **two years** and a fine of **2000 rupees.**
- Repeat Offence:** Imprisonment up to **five years** and fine of **5,000 to 1,00,000 rupees**
- प्रथम अपराध:** **दो वर्ष** तक का कारावास और 2000 रुपये का जुर्माना।
- पुनरावृत्ति अपराध:** **पाँच वर्ष** तक का कारावास और 5,000 से 1,00,000 रुपये तक का जुर्माना।



IT Act 2000

Sec 67 A

Whoever publishes or transmits or causes to be published or transmitted in the electronic form any material which contains **sexually explicit act or conduct** shall be punished

जो कोई भी इलेक्ट्रॉनिक रूप में किसी भी ऐसे सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करता है या करवाता है, जिसमें **यौन स्पष्ट कृत्य या आचरण** शामिल हो, उसे **दंडित** किया जाएगा।

PUNISHMENT / दंड



First Offence: Five years with a fine of rupees ten lakh.

प्रथम अपराध: पांच वर्ष और दस लाख रुपये का जुर्माना।



Repeat Offence: Seven years with a fine of rupees ten lakh.

पुनरावृत्ति अपराध: सात वर्ष और दस लाख रुपये का जुर्माना।

Sec 67 B

Punishment for publishing or transmitting of material **depicting children** in sexually explicit act, etc. in electronic form, For the purposes of this section, "children" means a person who has not completed the age of **18 years**.

इलेक्ट्रॉनिक रूप में **बच्चों** को यौन स्पष्ट कृत्य आदि में दर्शाने वाली सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण के लिए दंड। इस धारा के प्रयोजनों के लिए, "बच्चे" का अर्थ **18 वर्ष** की आयु पूरी न करने वाला व्यक्ति है।

PUNISHMENT / दंड



First Offence: Five years with a fine of rupees ten lakh.

प्रथम अपराध: पांच वर्ष और दस लाख रुपये का जुर्माना।



Repeat Offence: Seven years with a fine of rupees ten lakh.

पुनरावृत्ति अपराध: सात वर्ष और दस लाख रुपये का जुर्माना।



Section 292 of the Indian Penal Code

भारतीय दंड संहिता की धारा 292 दंड का प्रावधान करती है



- 1  Copyright infringement
कॉपीराइट उल्लंघन
- 2  Obscene publication
अश्लील प्रकाशन
- 3  Contempt of Court
न्यायालय की अवमानना
- 4  Prejudicing National Integration Through Media
मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को हानि



JRF Media Academy by Rohit